वर्ष : 17 ❖ अंक : 290 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक

सोमवार, 29 मई 2023

नए संसद भवन में नए संकल्प के साथ प्रवेश करें सांसद : ओम बिरला 2 | लोकतंत्र इमारतों से नहीं, जनता की आवाज से चलता है : खड़गे 8

एसडीएफ सरकार की उपलब्धियों को एसकेएम सरकार ने किया नष्ट : चामलिंग

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 28 मई । पूर्व मुख्यमंत्री तथा एसडीएफ अध्यक्ष पवन चामलिंग ने एसडीएफ सरकार द्वारा विरासत में छोड़ी गई समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) के दावों का जवाब देते हुए दावा किया कि एसडीएफ सरकार ने 25 साल में 6335 करोड़ रुपये का कर्ज लिया जबकि एसकेएम सरकार ने सिर्फ चार साल में 20,000 करोड़ रुपये का कर्ज लिया है। ये बातें उन्होंने अपने साप्ताहिक प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम में पूछे गए सवाल के जवाब में कही। उनसे मुख्यमंत्री के बजट भाषण में लगाए गए आरोप की एसकेएम सरकार के लिए सबसे बड़ी बाधाओं में से एक एसडीएफ सरकार से विरासत में मिली समस्याएं थीं, को लेकर सवाल किया गया था।

इसके जवाब में पवन चामलिंग ने कहा कि यह एक घुमक्कड़ मुख्यमंत्री की ओर से जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने का एक उत्कृष्ट मामला है, जिसने सरकार को पूरी तरह से चौपट कर दिया है। सभी को पता है कि पिछले चार साल में एसकेएम सरकार ने कुछ भी उत्पादक नहीं किया है। पवन चामलिंग ने कहा कि मैं उन्हें याद दिलाना शुरू करता हूं कि एसडीएफ सरकार ने 25 साल में 6335 करोड़ रुपये का कर्ज लिया। लेकिन एसकेएम सरकार ने सिर्फ 4 साल में 20,000 करोड़ का कर्ज लिया है। दोनों आंकड़े कैग की रिपोर्ट में हैं। वे किस अड़चन की बात कर रहे हैं?

एसडीएफ अध्यक्ष ने कहा कि अगर उनमें साहस है तो एसडीएफ सरकार के दौरान उत्पन्न की गई समस्याओं को सूचीबद्ध कर जनता के सामने प्रदर्शित करें। उन्होंने कहा कि अपनी नाकामी छिपाने के लिए सिर्फ विक्टिम कार्ड खेलना एक मुख्यमंत्री को शोभा नहीं देता। यह एक अनाड़ी डांसर द्वारा अपने खराब प्रदर्शन के लिए डांस फ्लोर को दोष देने की बात नई नहीं है। मुख्यमंत्री के रूप में उनके पास अपने वादों को पूरा करने के लिए पूरे चार साल मिले। मुझे उनसे कुछ सवाल पूछने चाहिए कि एसडीएफ सरकार द्वारा सुधार के लिए छोड़ी गई विश्व स्तर पर प्रशंसित उपलब्धियों के साथ उन्होंने क्या किया है।

अपने सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए पवन चामलिंग ने कहा कि एसकेएम सरकार ने ऑर्गेनिक सिक्किम ब्रांड के साथ क्या किया? सिक्किम ने वन वर्ल्ड अवार्ड (ग्रैंड प्रिक्स) और फ्यूचर पॉलिसी गोल्ड अवार्ड जीता था। दुनिया पिछले चार वर्षों के दौरान सिक्किम जैविक खेती के बारे में चुप क्यों है? एसकेएम सरकार ने सिक्किम की स्वच्छ और हरित छवि के लिए क्या किया? सिक्किम को देश के सबसे स्वच्छ और हरित राज्य के रूप में मान्यता दी गई थी। सिक्किम के घटते वन आवरण और घटती स्वच्छ छवि के बारे में चिंताजनक खबरें क्यों आ रही हैं? एसकेएम सरकार ने सिक्किम को महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित राज्य का दर्जा देने के लिए क्या किया? सिक्किम इस क्षेत्र में कहां है, यह देखने के लिए राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो, सामरिक और अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन केंद्र और नाथन एसोसिएट्स के साथ रिकॉर्ड की जांच करें। लेकिन अब दुख की बात है कि सिक्किम बच्चों के खिलाफ अपराधों के मामले में पहले स्थान पर है।

उन्होंने आगे भी सवालों को जारी रखते हुए कहा कि एसकेएम सरकार ने देश की तीसरी सबसे बड़ी प्रति व्यक्ति आय और जीएसडीपी के लिए क्या किया जो एसडीएफ सरकार ने हासिल किया? एसकेएम सरकार ने विश्व रिकॉर्ड तोड़ने वाली गरीबी में कमी के साथ क्या किया जो एसडीएफ सरकार ने हासिल किया था? एसकेएम सरकार ने सबसे शांतिपूर्ण राज्य के रूप में सिक्किम की स्थिति के साथ क्या किया? एसकेएम सरकार के तहत सिक्किम हिंसा में राष्ट्रीय सुर्खियां क्यों बना रहा है? एसकेएम सरकार ने सिक्किम के फलते-फूलते पर्यटन के साथ क्या किया? हमने 1994 में पर्यटकों की संख्या 92,000 से बढ़ाकर 2019 में 20 लाख से अधिक कर दी थी। अब सिक्किम में पर्यटकों की संख्या में अचानक कमी देखी जाने लगी है। एसडीएफ सरकार ने पर्यटन में कई राष्ट्रीय पुरस्कार जीते थे और सिक्किम को 2013 में दुनिया के प्रसिद्ध लोनली प्लैनेट द्वारा अवश्य यात्रा करने वाले स्थान के रूप में प्रथम स्थान दिया गया था। एसकेएम सरकार ने एसडीएफ सरकार द्वारा सृजित रोजगार और उद्यमशीलता के अवसरों के साथ क्या किया? हमारे समय में सिक्किम की बेरोजगारी दर महज 2 फीसदी थी और अब बढ़कर 20.7 फीसदी हो गई है। एसकेएम सरकार ने सिक्किम के राजकीय मेडिकल कॉलेज के साथ क्या किया जिसे हमने मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया के साथ वर्षों के कड़े संवाद के बाद केंद्र से शुरू करने की मंजूरी प्राप्त की थी? 100 मेडिकल सीटों का क्या हुआ? एसकेएम सरकार ने उन सभी सरकारी संपत्तियों का क्या किया, जिन्हें एसडीएफ सरकार ने इतने सालों तक बनाया और संरक्षित किया था? सिक्किम के बाहर की निजी कंपनियां सिक्किम की सभी प्रमुख भूमि क्यों खरीद रही हैं?

पवन चामलिंग ने कहा कि हमने विश्व स्तरीय सचिवालय बनाया लेकिन आप इसकी रखवाली भी नहीं कर सके। हमने भारत का दूसरा सबसे बड़ा अस्पताल बनाया, लेकिन आप उसे चला भी नहीं पाए। 1994 तक सिर्फ सरकारी क्षेत्र में ही नौकरी दी जाती थी। हमने संगठित और असंगठित क्षेत्रों में सैकड़ों रोजगार सृजित करते हुए निजी क्षेत्र में क्रांति ला दी। हमने सिक्किम को भारत में तीसरा सबसे अमीर बनाते हुए उदार अर्थव्यवस्था भी बनाई जो सबसे गरीब राज्यों में से एक था। हम एक कठिन राष्ट्रीय प्रतियोगिता के माध्यम से स्मार्ट सिटी परियोजनाओं के तहत गंगटोक और नामची को अर्हता प्राप्त करने में सक्षम थे। एसकेएम सरकार ने उन्हें मुहैया कराए गए प्रोजेक्ट का झमेला चांदी की थाली में कर दिया। तो क्या उन्होंने एसडीएफ सरकार की सैकड़ों चल रही योजनाओं और परियोजनाओं को पूरा किया।

पवन चामलिंग ने कहा कि वास्तव में एसकेएम सरकार ने उन सभी अच्छी चीजों को बर्बाद कर दिया है जिन्हें हम पीछे छोड़ गए हैं। हमारी योजनाओं, कार्यक्रमों और नीतियों के बिना एसकेएम सरकार के पास करने के लिए कुछ नहीं होता।

हमारे सफल सीएमएमएसएस,

सीएमआरएचएम, न्यू एसटीएनएम, ओएफओजे, रोड नेटवर्क, बिल-फ्रेंडली औद्योगीकरण (फार्मास्यूटिकल) और सैकड़ों अन्य बुनियादी ढांचे के साथ बनावट, वे अपनी गैर-उपलब्धि की शर्म को ढँक रहे हैं। मुझे यह जोड़ना चाहिए कि एसकेएम सरकार इनमें से किसी भी चीज को सुचारू रूप से नहीं चला रही है। वे बेशर्मी से कहते हैं कि उन्होंने स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार किया लेकिन सच्चाई यह है कि एसकेएम सरकार के तहत स्वास्थ्य विभाग सबसे निंदनीय विभाग बन गया।

मुख्यमंत्री गोले का एक सही बयान होता, एसकेएम सरकार ने एसडीएफ सरकार से विरासत में मिली सभी अच्छी चीजों को बर्बाद कर दिया।

दिल्ली में उपचार करा रहे सिक्किम के मरीजों से सीएम ने की मुलाकात

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 28 मई । राष्ट्रीय राजधानी के विभिन्न अस्पतालों में इलाज के दौरान नई दिल्ली के डीकेके भवन में ठहरे सिक्किम के कुल 51 मरीजों और उनके तीमारदारों को मुख्यमंत्री से बातचीत करने का अवसर मिला।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने व्यक्तिगत रूप से मरीजों की जरूरतों को संबोधित किया और उनके स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की, उनके चुनौतीपूर्ण समय के दौरान उन्हें प्रोत्साहन और समर्थन प्रदान किया।

अपनी एकजुटता दिखाने के लिए मुख्यमंत्री ने पुराने सिक्किम हाउस में मरीजों और उनके तीमारदारों को विशेष दोपहर के भोजन के लिए आमंत्रित किया, जहां उन्हें प्रामाणिक सिक्किमी व्यंजन परोसे गए। वर्तमान में मुख्यमंत्री चार दिवसीय दिल्ली दौरे पर हैं, इस दौरान उन्होंने नीति आयोग की बैठक में भाग लिया और नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह में भाग लिया।

नए ससंद भवन में उद्घाटन समारोह में शामिल हुए सीएम

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 28 मई । मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) आज नई दिल्ली में नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। उन्होंने लोकतंत्र के एक नए युग के जन्म का प्रतीक एक महत्वपूर्ण घटना का साक्षी होने के लिए उन्हें आमंत्रित किए जाने को गौरव का पल बताया।

ज्ञात हो कि भव्य समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद भवन का उद्घाटन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नया संसद भवन लोकतंत्र के मूलभूत स्तंभों की भौतिक अभिव्यक्ति के रूप में खड़ा है, जो एकता, प्रतिनिधित्व और लोगों की सामूहिक इच्छा का प्रतीक है।

उन्होंने आगे इस ऐतिहासिक संरचना के महत्व को स्वीकार करते हुए कहा कि यह हमारे महान राष्ट्र

के लिए आशा की किरण के रूप में कार्य करता है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि यह ऐतिहासिक अवसर भारत की लोकतांत्रिक यात्रा में एक नए अध्याय की शुरुआत का प्रतीक है।

विकास को लेकर सरकार के पास कोई ठोस नीति नहीं : गणेश राई

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 28 मई । सिटीजन एक्शन पार्टी-सिक्किम की जिला स्तरीय बैठक गेजिंग जिले के योक्सम-ताशीडिंग निर्वाचन क्षेत्र में मंगसाबुंग डांड़ा में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता योक्सम-ताशीडिंग क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष कर्मा लैंडुप लेप्चा ने की। इसमें, पार्टी के मुख्य समन्वयक गणेश राई मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

बैठक में पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष संगठन डीबी चौहान, प्रचार शाखा के कार्यकारी अध्यक्ष एमबी लिम्बू, फ्रंटल काउंसिल के कार्यकारी अध्यक्ष नरेन्द्र अधिकारी, कार्यकारी अध्यक्ष ओंगदिला भूटिया, गेजिंग जिला अध्यक्ष पूजन खड़का, पार्टी के उपाध्यक्ष संयोजक श्रीमती निमा लमु भूटिया, यूथ काउंसिल की अध्यक्ष श्रीमती तारा गुरुंग, योक्सम टाशिडिंग क्षेत्र के वरिष्ठ नेता जिग्मी डेन्जोंगपा, प्रचार-प्रसार शाखा के खहेन्द्र दाहाल, मोहन ठटाल प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

आज के कार्यक्रम में 40 से अधिक लोगों ने सिटीजन एक्शन पार्टी पर विश्वास प्रकट करते हुए औपचारिक रूप से इसमें शामिल हो गए। बैठक को संबोधित करते हुए, पार्टी के मुख्य समन्वयक गणेश राई ने कहा कि मंगसाबुंग का शाब्दिक अर्थ लिम्बू भाषा में वह स्थान है जहां देवी-देवता निवास करते हैं और पार्टी ने यहीं पर पहली बैठक आयोजित कर सिक्किम के लोगों को न्याय देने का वचन दिया है।

गणेश राई ने कहा कि योक्सम-ताशीडिंग क्षेत्र पर्यटन के लिए एक प्रसिद्ध स्थान है, लेकिन वर्तमान सरकार के पास पर्यटन विकास की दिशा में कोई ठोस नीति नहीं होने और पर्यटन व्यवसाय में रुचि न होने के कारण पर्यटन व्यवसाय से जुड़े व्यवसायी प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि सिक्किम का नंबर एक क्षेत्र योक्सम-ताशीडिंग विकास के मामले में सबसे पिछड़ा हुआ है और पूर्व और वर्तमान मुख्यमंत्रियों की धोखेबाज नीति के सिक्किम का विकास नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि इलायची की खेती में बीमारी का इलाज न होने से ताशीडिंग के किसान मायूस हैं। दुखद बात यह है कि सरकार का कृषि एवं संचार विभाग कोई समाधान नहीं निकाल पा रहा है।

गणेश राई ने कहा कि आज सिक्किम में युवाओं में नशे की लत बहुत बढ़ गई है, नौकरी न मिलने पर डिग्रीधारी युवक-युवतियां रस्सी से फंदा लगाकर आत्महत्या करने पर मजबूर हो गए हैं।

उन्होंने कहा कि सिक्किम में हर साल 274 आत्महत्याएं होती हैं, बेरोजगारी दर 20.7 है, युवाओं के खिलाफ अपराध दिन-ब-दिन बढ़ रहे हैं लेकिन सरकार के पास इन्हें लेकर कोई नीति नहीं है। उन्होंने कहा कि सिटीजन एक्शन पार्टी की नीति अगले सरकारी ग्रामोन्मुख सरकार बनाने की है।

हमारी पार्टी गांवों में भी सभी सुविधाओं से युक्त सरकारी कार्यालयों का निर्माण करेगी। युवा के लिए अवसर प्रदान किया जाएगा और उन्हें सम्मान से जीने का हक दिया जाएगा।

वहीं प्रचार-प्रसार शाखा के कार्यकारी अध्यक्ष एमबी लिम्बू ने कहा कि विधानसभा में सौ दिनों में लिम्बू-तमांग के लिए सीट आरक्षण की बात करने वाली एसकेएम पार्टी की सरकार लिम्बू-तमांग सीटों का फॉर्मूला तक नहीं दे पा रही है। यह सिक्किम लिम्बू-तमांग के साथ सीधा अन्याय है और सिटीजन एक्शन पार्टी आने वाले दिनों में 20 सालों लंबित इस मुद्दे का हल निकालेगी। पूर्व मुख्यमंत्री पवन चामलिंग और वर्तमान मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) एक ही जैसे नेता हैं और वे जनता के प्रति बिल्कुल भी ईमानदार नहीं हैं। दोनों ही केवल व्यवसायी हैं जो अपने खानदानी साम्राज्य का विस्तार कर रहे हैं। आज के कार्यक्रम में पार्टी के विभिन्न नेताओं ने भी अपने विचार रखे।

नई संसद के निर्माण में काम करने वाले कर्मियों को पीएम मोदी ने किया सम्मानित

नई दिल्ली, 28 मई (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को नए संसद भवन का उद्घाटन करने के बाद इसके निर्माण में जुटे कर्मियों को सम्मानित किया।

मोदी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ नए संसद भवन का उद्घाटन करने के बाद इसके निर्माण में काम करने वालों का अभिनंदन किया और उनके योगदान के लिए शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट किए।

प्रधानमंत्री से सम्मान पाने वाले कर्मियों में पश्चिम बंगाल के सुंदरबन के सत्य रंजन दास भी शामिल हैं। दास ने निर्माण स्थल पर श्रमिकों के लिए पानी और भोजन की व्यवस्था की थी।

मोदी ने ओडिशा के चांदीपुर के पुरंजन दलाई और राजस्थान के बाड़मेर के किशनलाल को भी सम्मानित किया, जिन्होंने नए भवन की लॉबी के डिजाइन पर काम किया था।

वड़ोदरा से देवलाल सुखार और बिहार से अनिल कुमार यादव ने संसद की बाहरी दीवार पर बलुआ पत्थर लगाने का काम किया; पूर्वोत्तर के सुब्रत सूत्रधर ने बांस लगाने का काम किया; झारखंड के मुजफ्फर खान ने मैकेनिक के रूप में काम किया और निर्माण के दौरान सभी मशीनों को चालू रखा; दिल्ली के धर्मेंद्र ने गैस वेल्डिंग का काम किया; और वाराणसी के आनंद विश्वकर्मा ने नए भवन में दोनों कक्षों की छत और कुर्सियों का काम किया।

नए भवन का शिलान्यास समारोह दिसंबर 2020 में पीएम मोदी द्वारा किया गया था और रविवार को इसका उद्घाटन किया गया।

नए संसद भवन में नए संकल्प के साथ प्रवेश करें सांसद : ओम बिरला

नई दिल्ली, 28 मई (एजेन्सी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने नए संसद भवन के उद्घाटन के बाद रविवार को सांसदों का आह्वान किया कि वे नए भवन में नए संकल्प के साथ प्रवेश करें तथा संसदीय अनुशासन, मर्यादा और गरिमा के नए मापदंड स्थापित करें।

उन्होंने नए संसद भवन के निर्माण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया।

बिरला ने कहा, आजादी के अमृतकाल में संपूर्ण राष्ट्र इस महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक पल का साक्षी बन रहा है। प्रधानमंत्री के दृढ़संकल्प और प्रेरक मार्गदर्शन से ढाई वर्ष से कम समय में भी यह भवन बनकर तैयार हुआ।

उन्होंने कारीगरों और मजदूरों का भी आभार जताया।

बिरला ने कहा, भारत विश्व का प्राचीनतम लोकतंत्र है। लोकतंत्र की जननी के रूप में हमारी पहचान है। हमने सदनों की अच्छी परिपाटी स्थापित की है। लोगों का विश्वास लोकतंत्र के लिए बढ़ा है।

मोदी ने कहा, आज लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए विश्व भारत की ओर देखता है... हमारी संसद घरेलू और बाहरी चुनौतियों को अवसर में बदलने की ताकत रखती है।

उन्होंने कहा, मेरा सांसद मित्रों से अनुरोध है कि जब नए भवन में प्रवेश करें तो नए संकल्प के साथ प्रवेश करें।

हम संसदीय अनुशासन, मर्यादा और गरिमा के नए मापदंड स्थापित करें।

पीएम मोदी ने जारी किया 75 रुपये का सिक्का

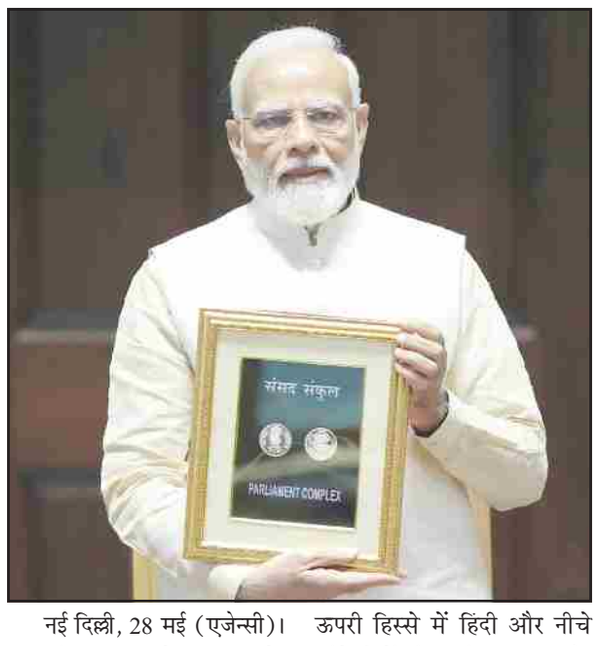

नई दिल्ली, 28 मई (एजेन्सी)। नए संसद भवन के उद्घाटन के अवसर पर रविवार को पीएम मोदी ने 75 रुपये का एक विशेष सिक्का जारी किया। इससे पहले आज पीएम मोदी ने राष्ट्र को नया संसद भवन समर्पित किया। इसी के साथ उन्होंने लोकसभा कक्ष में ऐतिहासिक सेंगोल स्थापित किया।

नए संसद भवन के उद्घाटन के अवसर पर 75 रुपये के सिक्के के पिछले हिस्से पर संसद परिसर की छवि है। अग्र भाग पर अशोक स्तंभ, जिसके नीचे सत्यमेव जयते लिखा हुआ है। अशोक स्तंभ के बाईं ओर देवनागिरी लिपी में भारत और दाईं ओर अंग्रेजी में इंडिया लिखा है।

सिक्के के पिछले हिस्से पर संसद परिसर की छवि है, इसके ऊपरी हिस्से में हिंदी और नीचे अंग्रेजी में संसद संकुल लिखा है। संसद की तस्वीर के ठीक नीचे वर्ष 2023 भी लिखा है।

75 रुपये का सिक्का भारत सरकार की कोलकाता टकसाल द्वारा बनाया गया है। 44 मिमी के इस सिक्के का आकार गोल है। इसका वजन लगभग 35 ग्राम है। इस सिक्के में 50 फीसदी चांदी, 40 फीसदी कॉपर, और 5-5 फीसदी निकल और जिंक धातु का मिश्रण है।

नए संसद भवन का उद्घाटन रविवार को पीएम मोदी ने किया। इस संसद भवन में भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए लोकसभा में 888 और राज्य सभा में 384 सदस्यों के बैठने की व्यवस्था है।

पप्पू यादव ने पीएम मोदी पर साधा निशना, कहा- पीएम मोदी नेपोलियन से भी क्रूर है

बगहा, 28 मई (नि.सं.)। बगहा के रामनगर में बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन नगर के गंडक परिसर में आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पप्पू यादव भी पहुंचे हैं। सभा को संबोधित करते हुए पप्पू यादव ने सीधे-सीधे नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। पप्पू यादव ने कहा कि पुलवामा हमला में किसी बड़े बड़ी ख़ासियत का हाथ है। गोधरा कांड पर भी निशाना साधा। संबोधन के दौरान संबोधन के दौरान पप्पू यादव ने कहा कि आखिरकार तीन क्विंटल 50 किलो आरडीएक्स कहां से आया। आया भी तो उसकी अब तक जांच क्यों नहीं हुई। बजरंग दल को चोर उचक्कों का दल बताया। विनय कटिहार ने बजरंग दल की स्थापना की थी। विनय कटिहार एक बलात्कारी आदमी है।

'बजरंग दल को बताया चोर उच्चकों का दल'

नरेंद्र मोदी पर सीधे तौर पर निशान चाहते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी नेपोलियन से भी क्रूर आदमी है। अगर 2024 में नरेंद्र मोदी की सरकार आई तो सबसे पहले संविधान तोड़ने का काम करेंगे। साथ ही आरक्षण को भी खत्म करेंगे अगर अपने देश में कोई आरक्षण विरोधी है तो है भारतीय जनता पार्टी है। आरक्षण दलित महादलितओं को नहीं देना चाहती है। नई लोकसभा के सीट को बढ़ाने की तैयारी हो रही है। अगर 2024 में नरेंद्र मोदी आते हैं तो सबसे पहले संविधान पर हमला बोला जाएगा। तब ना आपकी पगड़ी रहेगी और ना हमारे कुर्ते। कार्यक्रम में पप्पू यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में आए थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता लाल बच्चन राम ने की थी। संचालन नरेश राम ने की कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के मूर्ति पर माला अर्पण कर शुरू किया गया। कार्यक्रम के दौरान सिकटा विधायक वीरेंद्र गुप्ता, शाश्वत केदार पांडे, ओम पुष्पा, प्रवेश मिश्रा, जोगिया पंचायत के मुखिया अफसर इमाम, मोहित गिरी, अजय पासवान, मोहम्मद अंजार, उदयराम, मोतिउर रहमान, प्रभुनाथ कुशवाहा, दीनानाथ राम, छोटू पासवान, राजेश राम, राजेश कुमार सहित कई अन्य लोग इस कार्यक्रम में मौजूद रहे।

आरजेडी के 'ताबूत' वाले ट्वीट पर भड़की बीजेपी, कहा- दर्ज हो देशद्रोह का मामला

पटना, 28 मई (का.सं.)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) द्वारा संसद के नए ढांचे की तुलना द्वारा ताबूत से करने पर भाजपा ने रविवार को तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की।

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और लोकसभा सांसद संजय जायसवाल ने कहा, जिस तरह से राजद ने नए संसद भवन की तुलना एक ताबूत से की है, उससे पता चलता है कि वह लोकतंत्र और देश की जनता द्वारा चुनी गई सरकार में विश्वास नहीं करता। उन्हें लगता है कि चूंकि उनके पिता और मां राज्य की मुख्यमंत्री थीं, केवल उन्हें ही मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठने का अधिकार है। देश की जनता राजद को ताबूत में दफन कर देगी।

भाजपा नेता और राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी ने कहा, यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि राजद ने संसद के नए भवन की तुलना एक ताबूत से की है। इस अनमोल दिन पर राजद का आपत्तिजनक और निंदनीय कार्य है। यह राजद के भविष्य को दर्शाता है जो ताबूत में दफनाने की ओर बढ़ रहा है।

बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा, जहां एक तरफ उत्साह है और दूसरी तरफ राजद के नेता राजनीति कर रहे हैं। जो लोग नए संसद भवन की तुलना एक ताबूत से कर रहे हैं, उन्हें देश की जनता 2024 और 2025 में ताबूतों में भर देगी। जनता दल (यूनाइटेड) नेता नए संसद भवन के उद्घाटन के खिलाफ भूख हड़ताल पर जा रहे हैं। मैं कहना चाहता हूं कि वे बिहार में पिछले 18 वर्षों से सरकार में रह रहे हैं। भूख हड़ताल से उन्हें वजन कम करने में मदद मिलेगी।

इससे पहले दिन में राजद ने नए भवन के आकार की तुलना ताबूत से की थी।

राजद ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर दो तस्वीरें पोस्ट की हैं - एक नवनिर्मित संसद का हवाई ऑश्य है और दूसरी एक ताबूत है और एक कैख्शन भी दिया है ये क्या है।

राजद के राष्ट्रीय प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा, हमने ट्वीट के माध्यम से सवाल पूछा है कि केंद्र हमारे इतिहास को दफनाने की कोशिश कर रहा है। वे इतिहास को बदलने की कोशिश कर रहे हैं। वे हमारे इतिहास को नष्ट करना चाहते हैं। यह एक प्रतीकात्मक तस्वीर है। नई संसद की तस्वीर की तुलना एक ताबूत से की और हमने पूछा 'ये क्या है?'

उन्होंने कहा, हम सवाल पूछ रहे हैं कि लोकतंत्र के मंदिर में प्रवेश करने का अधिकार केवल भाजपा नेताओं को है। आज उन्होंने हमारे देश के राष्ट्रपति का अपमान किया है। वे लोकतंत्र और संविधान को कुचल रहे हैं। देश का लोकतंत्र रो रहा है। 21 पार्टियों ने अपील की है कि नए संसद भवन का उद्घाटन भारत के राष्ट्रपति द्वारा किया जाना चाहिए, लेकिन उन्होंने विपक्षी दलों की मांग को ठुकरा दिया है। उन्होंने तानाशाही को चुना है।

जद (यू) के एमएलसी और मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा, भाजपा सावरकर की जयंती पर देश के इतिहास को बदल रही है। उन्होंने उन्हें वीर सावरकर कहा, जिन्होंने ब्रिटिश शासकों से पांच बार माफी मांगी और उनसे 65 रुपये की पेंशन ली।

भाजपा ने देश में केवल हिन्दी भाषी राज्यों में 2,416 मंदिरों को तोड़ा है। पीएम नरेंद्र मोदी ने संसद में सेंट्रल हॉल की भूमिका समाप्त कर दी है और वे ऐसा केवल इसलिए करते हैं क्योंकि लोग पंडित जवाहरलाल नेहरू, बाबासाहेब अंबेडकर, सरदार पटेल को याद करेंगे. वे चाहते हैं कि देश में केवल मोदी को याद किया जाए और इसलिए उन्होंने नया संसद भवन बनाया है।

मणि ढोंगडुप मंत्र जप में शामिल हुए मंत्री शर्मा

अनुगामिनी नि.सं.

गेजिंग, 28 मई । चेरेन्जी सिंगखाम रिवा पोटला में चल रहे मणि ढोंगडुप 10 करोड़ मन्त्र जप में मन्त्री लोकनाथ शर्मा शामिल हुए। आज ही क्षेत्र की दो जगहों की जनता के साथ भी मन्त्री शर्मा ने मुलाकात की।

पश्चिम सिक्किम के पेलिंग स्थित धार्मिक तथा पर्यटन स्थल सांगा-छोलिंग चेरेन्जी सिंगखाम रिवा पोटला में गत 23 मई से शुरू हुए मणि ढोंगडुप 10 करोड़ मन्त्र जप हो रहा है। स्थल पर 8 सौ अधिक विभिन्न लामा लमेनी आत्री मन्त्र जप कर रहे हैं। यहां पहली बार इस मन्त्र का जप किया गया है। क्याब्जे गोएंजांग रिन्पोछे, क्याब्जे सेर्ता ख्यान्तसे योक्सम तुलकु रिन्पोछे और गोएनचेन पेमायांगत्सेन के क्याब्जे खाछो रिंपोछे के पवित्र मार्गदर्शन में शुरु हुए, प्रार्थना समारोह में मणि ढोंगडुप इस धार्मिक अनुष्ठान में आज सिक्किम सरकार के कृषि, बागवानी, पशुपालन तथा श्रम विभाग के मन्त्री लोकनाथ शर्मा ने हिस्सा लिया।

इसके बाद, मंत्री शर्मा ने आज सिक्किम क्रान्तिकारी मोर्चा पार्टी जिला स्तरीय कार्यालय में गेजिंग नगर पंचायत के चार वार्ड और गेजिंग ओमचुंग ग्राम पंचायत की जनता से मुलाकात की।

उन्होंने स्थानीय जनता से उनका हाल चल जाना और आवश्यक पत्रों पर भी हस्ताक्षर किया। उनके साथ सिक्किम मिल्क यूनियन के अध्यक्ष याम कुमार मिश्र, गेजिंग नगर पंचायत के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, काउन्सिलर, गेजिंग ओमचुंग ग्राम पंचायत के अध्यक्ष, सदस्य, सिक्किम क्रान्तिकारी मोर्चा पार्टी के पश्चिम जिला अध्यक्ष एबी सुब्बा, समष्टि स्तरीय अध्यक्ष सनवीर सुब्बा, महासचिव केबी छेत्री, नारी शक्ति, युवा प्रकोष्ठ के सदस्य आदि उपस्थित रहे।

पीएम मोदी दिखाएंगे गुवाहाटी-न्यू जलपाईगुड़ी वंदे भारत को हरी झंडी

मालीगांव, 28 मई । सोमवार 29 मई का दिन असम और पूर्वोत्तर के लोगों के लिए एक ऐतिहासिक तिथि के रूप में दर्ज होने जा रही है। असम से पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की पहली यात्रा को कल गुवाहाटी से देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में वर्चुअली हरी झंडी दिखाई जाएगी। प्रधानमंत्री असम के लामडिंग में एक नवनिर्मित डेमू/मेमू शेड का उद्घाटन करने के अलावा 182 किलोमीटर के नए विद्युतीकृत सेक्शनों का भी लोकार्पण करेंगे।

असम में अत्याधुनिक वंदे भारत एक्सप्रेस के आने से पूर्वोत्तर, विशेषकर असम के लोग तेज और आरामदायक रेल यात्रा का अनुभव ले पायेंगे। चूंकि सेमी हाई स्पीड ट्रेन में सभी नवीनतम सुविधाएं मौजूद हैं, यात्रा के दौरान पूर्वोत्तर के लोग इस अंतर को भली भांति अनुभव करेंगे। यह ट्रेन असम के कामरूप महानगर, कामरूप ग्रामीण, नलबाड़ी, बरपेटा, चिरांग, कोकराझार जिले और उत्तर बंगाल के अलीपुरद्वार, न्यू कोचबिहार और जलपाईगुड़ी जिले से होकर गुजरेगी। इस विस्तृत क्षेत्र के लोग आधुनिक रेल यात्रा का लाभ उठा सकेंगे। न्यू जलपाईगुड़ी - गुवाहाटी सेक्शन में सबसे तेज ट्रेन द्वारा मौजूदा रेल यात्रा के समय में लगभग एक घंटे की कमी आएगी। इससे विभिन्न वर्ग के लोगों को लाभ मिलेगा। इस क्षेत्र के व्यापार, पर्यटन और यात्रा जैसे क्षेत्रों को अत्यधिक लाभ होगा।

ट्रेन संख्या 02228 (गुवाहाटी - न्यू जलपाईगुड़ी) वंदे भारत एक्सप्रेस की उद्घाटनी यात्रा 29 मई, 2023 को 12:00 बजे गुवाहाटी से रवाना होकर 18:00 बजे न्यू जलपाईगुड़ी पहुंचेगी। अपने उद्घाटनी यात्रा के दौरान, ट्रेन कामाख्या, रंगिया जंक्शन, नलबाड़ी, बिजनी, न्यू बंगाईगांव, कोकराझार, फकीराग्राम जंक्शन, न्यू अलीपुरद्वार, न्यू कोचबिहार और धूपगुड़ी में ठहरेगी। ट्रेन सं. 22228/22227 (गुवाहाटी - न्यू जलपाईगुड़ी - गुवाहाटी) वंदे भारत एक्सप्रेस की नियमित सेवा 31 मई, 2023 से शुरू होगी। ट्रेन मंगलवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन चलेगी। ट्रेन सं. 22227 (न्यू जलपाईगुड़ी - गुवाहाटी) वंदे भारत एक्सप्रेस न्यू जलपाईगुड़ी से 06:10 बजे प्रस्थान कर गुवाहाटी 11:40 बजे पहुंचेगी। वापसी में, ट्रेन सं. 22228 (गुवाहाटी - न्यू जलपाईगुड़ी) वंदे भारत एक्सप्रेस गुवाहाटी से 16:30 बजे प्रस्थान कर न्यू जलपाईगुड़ी 22:00 बजे पहुंचेगी। दोनों तरफ की यात्रा के दौरान ट्रेन कामाख्या, न्यू बंगाईगांव, कोकराझार, न्यू अलीपुरद्वार और न्यू कोचबिहार स्टेशनों पर रुकेगी। एक तरफ की अपनी यात्रा में वंदे भारत एक्सप्रेस 05 घंटे 30 मिनट में 411 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। 08 कोचों से संयोजित इस ट्रेन में 530 लोगों के बैठने की क्षमता होगी। इसमें एक एग्जिक्यूटिव क्लास, पांच चेयर कार और दो ड्राइवर ट्रेल कोच होंगे।

प्रधानमंत्री 91.03 किलोमीटर लंबे न्यू बंगाईगांव दुधनई - मेंदीपाथर नव विद्युतीकृत सेक्शन को भी समर्पित करेंगे। इस सेक्शन के बिजलीकरण से देश के किसी भी हिस्से से अब माल ढुलाई और यात्रीवाही ट्रेनें मेघालय में प्रवेश करेगी। 91 किलोमीटर लंबे गुवाहाटी - चापरमुख नव विद्युतीकृत सेक्शन को भी माननीय प्रधानमंत्री द्वारा देश को समर्पित किया जाएगा। राजधानी मार्ग पर पड़ने वाले इस सेक्शन के बिजलीकरण से प्रदूषण मुक्त परिवहन, ट्रेनों की उच्च गति, ट्रेनों के परिचालन में कम समय और लागत में कमी आएगी। हाल ही में निर्मित लामडिंग के एक नए डेमू/मेमू शेड का भी माननीय प्रधानमंत्री उद्घाटन करेंगे। पूर्वोत्तर भारत के पहाड़ी राज्यों जैसे नागालैंड, मिजोरम, त्रिपुरा, मणिपुर और असम के कुछ हिस्सों का लामडिंग प्रवेश द्वार है। यह नई सुविधा इस क्षेत्र में परिचालन कर रहे डेमू रेक का अनुरक्षण करने में मददगार होगी, जिससे बेहतर परिचालन व्यवहार्यता और यात्री सुविधा होगी।

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR YAMUNA SUNDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:8 DrawDate on:28/05/23 MRP ₹6/-
1st Prize ₹1 Crore/- 61C 43084
Cons. Prize ₹1000/- 43084 (Remaining All Serial & Series)
2nd Prize ₹9000/-
02378 08506 22843 32099 78500 82935 83855 86805 96218 98026
3rd Prize ₹450/-
0131 2473 3820 4480 5364 5715 7145 8386 8406 8913
4th Prize ₹250/-
0733 1138 1291 3699 4892 5937 6329 6351 6657 9641
5th Prize ₹120/-
0007 0077 0080 0133 0287 0301 0607 0626 0913 0959
1045 1288 1396 1439 1452 1505 1530 1641 1707 1746
1830 2102 2228 2394 2416 2455 2523 2628 2629 2634
2702 2703 3005 3088 3128 3132 3164 3508 3516 3637
3694 3984 4224 4264 4274 4290 4320 4392 4449 4810
4827 4899 4900 4917 5273 5388 5539 5581 5622 5702
6079 6336 6394 6411 6425 6441 6467 6500 6590 6639
6682 6826 6856 6928 7092 7192 7449 7673 7739 7826
7870 7913 8078 8174 8284 8286 8370 8385 8427 8630
9372 9373 9415 9444 9632 9650 9673 9777 9807 9849
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR SEA SUNDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:8 DrawDate on:28/05/23 MRP ₹6/-
1st Prize ₹1 Crore/- 85C 72087
Cons. Prize ₹1000/- 72087 (Remaining All Serial & Series)
2nd Prize ₹9000/-
01451 08801 09633 23508 27396 52457 64083 70555 88840 95692
3rd Prize ₹450/-
0274 0319 0766 0910 2865 3594 6139 7005 7208 7912
4th Prize ₹250/-
1550 3520 4575 5726 6118 6938 7625 8236 8380 9952
5th Prize ₹120/-
0086 0190 0201 0228 0398 0444 0491 0510 0701 0707
0804 0835 0870 1119 1342 1574 1604 1713 1906 1962
2043 2044 2176 2236 2279 2510 2532 2646 3070 3105
3107 3181 3188 3378 3481 3487 3536 3585 3676 3683
3740 3804 3902 4050 4085 4104 4231 4323 4376 4402
4460 4551 4620 4648 4664 4975 5017 5023 5446 5522
5619 5731 5871 6036 6070 6104 6163 6265 6412 6471
6622 6788 6798 6802 6837 7114 7217 7233 7241 7321
7390 7411 7560 7593 7677 7806 7962 8153 8242 8367
8626 8645 8648 8759 8782 9247 9514 9516 9755 9991
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR TOUCAN SUNDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:8 DrawDate on:28/05/23 MRP ₹6/-
1st Prize ₹1 Crore/- 93K 35894
Cons. Prize ₹1000/- 35894 (Remaining All Serial & Series)
2nd Prize ₹9000/-
02951 09032 12075 24053 33549 34965 35310 69514 94584 98798
3rd Prize ₹450/-
0042 1710 1744 1896 3075 7407 8415 9067 9965 9990
4th Prize ₹250/-
1310 2865 3323 4308 5021 5658 5773 6231 6641 9778
5th Prize ₹120/-
0051 0112 0137 0147 0193 0274 0290 0446 0498 0504
0537 0573 0856 0924 0999 1004 1089 1131 1311 1369
1412 1448 1559 1587 1730 1755 1787 2000 2215 2349
2383 2432 2495 2551 2641 2667 2757 2816 2870 2998
3018 3031 3119 3144 3251 3343 3469 3538 3595 3710
3957 4117 4227 4326 4329 4847 5025 5399 5565 5673
5726 6044 6053 6059 6118 6278 6303 6345 6371 6565
6676 6795 7015 7017 7054 7103 7109 7122 7132 7230
7254 7310 7313 7328 7953 8202 8253 8318 8330 8512
8569 8783 8815 9118 9216 9542 9543 9603 9610 9637
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

बेहतर सुविधा, सुपरफास्ट कनेक्टिविटी सुनिश्चित करती पूर्वोत्तर भारत की प्रगति

गुवाहाटी-न्यू जलपाईगुड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस

का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ

- असम राज्य की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस
- कोच में सीसीटीवी और 360 डिग्री घूमने वाली सीटें
- यात्रा का कुल समय 5 घंटे 30 मिनट एवं यात्रा में 1 घंटे से अधिक की बचत
- टक्कर रोधी कवच प्रणाली से लैस
- अत्याधुनिक सुरक्षा सुविधाओं के साथ हवाई जहाज जैसा यात्रा का शानदार अनुभव
- पूर्वोत्तर भारत, विशेषकर असम के पर्यटन और तीर्थ स्थलों के लिए तेज और बेहतर आवागमन की सुविधा
- टच-फ्री सुविधाओं वाले बायो वैक्यूम शौचालय
- दिव्यांगजनों के अनुकूल शौचालय, सीट के हैंडल और सीट नंबर ब्रेल लिपि में
- प्रत्येक कोच में यात्री सूचना एवं इंफोटेनमेंट सिस्टम

लोकार्पण

न्यू बोंगाईगांव - दुधनई - मेंदीपाथर खण्ड का विद्युतीकरण

- मेघालय और असम में 199 कि.मी. ट्रैक का विद्युतीकरण
- मेघालय वासियों को मिली प्रदूषण मुक्त निर्बाध कनेक्टिविटी
- देश के अन्य राज्यों के लिए मेघालय से विद्युत इंजन चालित ट्रेन प्रारंभ

गुवाहाटी - चापरमुख खण्ड का विद्युतीकरण

- पूर्वोत्तर राज्यों में पर्यटन बढ़ाने में सहायक
- 238 कि.मी. लम्बा राजधानी रूट विद्युतीकृत
- यात्रा समय कम होने से मारीगाँव एवं नागाँव के यात्रियों को लाभ
- प्रदूषण-मुक्त परिवहन, उच्च गति, चालन समय में कमी और परिचालन लागत में कमी
- सिलघाट टाउन से देश के अन्य राज्यों के लिए विद्युत इंजन ट्रेन का परिचालन संभव हुआ

लामडिंग डेमू एवं मेमू शेड

- 400 मीटर लंबी पिट लाइन का निर्माण
- स्वचालित कोच वाशिंग प्लांट, एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट और अन्य आधुनिक सुविधाएं
- कुशल डेमू परिचालन हेतु रैक के मेंटेनेंस में सहायक
- बेहतर परिचालन व्यवहार्यता और यात्री सुविधाएं उपलब्ध

नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री

द्वारा

(वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से)

29 मई, 2023 | प्रातः 10:00 बजे | गुवाहाटी रेलवे स्टेशन

गरिमामयी उपस्थिति

गुलाब चंद कटारिया
राज्यपाल, असम

डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा
मुख्यमंत्री, असम

सर्बानंद सोनोवाल
पत्तन, पोत परिवहन, जलमार्ग एवं आयुष मंत्री

अश्विनी वैष्णव
रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

22228 गुवाहाटी – न्यू जलपाईगुड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस		स्टेशन	22227 न्यू जलपाईगुड़ी–गुवाहाटी वंदे भारत एक्सप्रेस	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	16:30	गुवाहाटी	11:40	--
22:00	--	न्यू जलपाईगुड़ी	--	06:10

ठहराव : न्यू कोचबिहार, न्यू अलीपुरद्वार, कोकराझार, न्यू बोंगाईगांव, कामाख्या

• मंगलवार को छोड़कर हफ्ते के सभी दिन

DD NEWS कार्यक्रम का डीडी न्यूज पर सीधा प्रसारण

भारतीय रेल
www.indianrailways.gov.in

हमें फालो करें /RailMinIndia

चीता प्रॉजेक्ट पर सवाल

मध्य प्रदेश के कूनो नैशनल पार्क में मादा चीता ज्वाला के एक-एक कर तीन शावकों की मौत ने जहां वन्य जीव प्रेमियों को मायूस किया है, वहीं साउथ अफ्रीका से चीते लाकर भारत के जंगलों को आबाद करने के इस प्रॉजेक्ट को सवालों के घेरे में भी ला दिया है। इस महत्वाकांक्षी प्रॉजेक्ट के तहत नामीबिया से 20 चीते लाए गए थे और यहां आने के बाद 27 मार्च को ज्वाला ने चार शावकों को जन्म दिया था। लेकिन पिछले छह महीने में पहले तीन चीतों की मौत हुई और फिर तीन शावक भी जीवित नहीं रह सके। हालांकि विशेषज्ञों के मुताबिक, ऐसे प्रॉजेक्टों का मूल्यांकन करते हुए जल्दबाजी में निष्कर्ष निकालने से बचा जाना चाहिए। न तो एकाध चीतों का जन्म इन प्रॉजेक्टों की सफलता का सबूत होता है और न कुछ चीतों की मौत इनकी नाकामी का ऐलान। इसके बावजूद अगर इन मौतों ने जीव विज्ञानियों के बीच चिंता पैदा की है तो उसकी वजह इन मौतों के लिए जिम्मेदार बताए जा रहे कारकों में देखी जा रही है। मध्य प्रदेश वन विभाग के अधिकारियों ने मंगलवार को हुई इन मौतों का कारण गर्मी, कुपोषण और उपचार के प्रयासों पर इनका कोई रेस्पॉन्स न देना बताया है। क्या इसका मतलब यह है कि इन चीतों और शावकों के लिए यहां का मौसम और परिवेश अपेक्षा से कहीं ज्यादा प्रतिकूल साबित हो रहा है? जानकारों के मुताबिक, आम तौर पर संरक्षित क्षेत्र में चीते के शावकों का सरवाइवल रेट काफी अच्छा होता है।

इस उम्र में शावकों के लिए सबसे पौष्टिक आहार मां का दूध होता है। करीब दो महीने की उम्र के ये शावक अगर कमजोर थे तो क्या इसका मतलब यह है कि उन्हें मां का पर्याप्त दूध नहीं मिल रहा था और अगर यह सच है तो क्या इसके पीछे कारण यह है कि मां में पर्याप्त दूध बन ही नहीं रहा था? इन सवालों के प्रामाणिक जवाब मिलने इसलिए भी मुश्किल हैं क्योंकि यह स्पष्ट नहीं है कि इन शावकों और मादा चीता पर कैसे और कितनी नजर रखी जा रही थी। विशेषज्ञों के मुताबिक, चीता शावकों के पालन-पोषण में इंसानी दखल एक सीमा से ज्यादा नहीं होना चाहिए क्योंकि इससे इनकी शिकार करने की क्षमता प्रभावित होती है। चूंकि इन्हें वन्य जीव के रूप में विकसित होना है, इसलिए इन्हें प्रतिकूलताओं से खुद जूझना और उनसे पार पाना सीखने देना बेहतर माना जाता है। बहरहाल, यह प्रॉजेक्ट शुरू हो चुका है, इसलिए जरूरी है कि हर छोटी-मोटी बात पर इसे कामयाब घोषित करने या नाकाम करार देने की प्रवृत्ति से बचा जाए। दीर्घकालिक नजरिया अपनाते हुए इस प्रयोग को सही ढंग से आगे बढ़ाया जाए तो इसकी कामयाबी ही नहीं, नाकामी से जुड़े पहलुओं के भी ऐसे महत्वपूर्ण सबक हो सकते हैं जो आगे दुनिया भर के जीव विज्ञानियों का मार्गदर्शन करें।

हिन्दी की बढ़ती ताकत

डॉ. आर.के. सिन्हा

संघ लोक सेवा आयोग की साल 2022 की परीक्षा के नतीजों का गहराई से विश्लेषण हो रहा है। यह हर साल होता ही है नतीजे आने के बाद। पर इस तरफ कोई चर्चा नहीं हो रही कि इस बार सफल हुए अभ्यर्थियों में हिन्दी माध्यम से परीक्षा देने वालों का आंकड़ा शानदार रहा है।

यह पिछले 20-25 वर्षों का सर्वश्रेष्ठ परिणाम है। इस बार हिन्दी माध्यम से कुल 54 उम्मीदवारों का चयन हुआ है, जिनमें रैंक-66, 85, 89, 105 और 120 प्रमुख हैं। यूपीएससी द्वारा आयोजित इस परीक्षा में हिन्दी माध्यम के विद्यार्थी पिछले कुछ सालों से लगातार अपेक्षित नतीजे नहीं दे पा रहे थे।

चाहे बात चयनित विद्यार्थियों की हो या टॉप रैंक की, हिन्दी माध्यम हमेशा से संघर्ष करता रहा है। इसलिए कहा जाने लगा था कि हिन्दी माध्यम से देश की इस सबसे खास परीक्षा को उत्तीर्ण करना लगभग असंभव है। लेकिन इस साल 2022 के परिणाम बेहतरीन रहे हैं। ये एक तरह से बेहतर भविष्य की उम्मीद पैदा कर रहे हैं। पिछले साल आए 2021 के परिणाम में हिन्दी माध्यम वाले 24 उम्मीदवार सफल हुए थे। यानी हिन्दी का ग्राफ धीरे-धीरे सुधर रहा है। हिन्दी माध्यम की टॉपर 66वीं रैंक हासिल करने वाली कृतिका मिश्रा कानपुर की रहने वाली हैं। दिव्या तंवर ने इस बार 105वीं रैंक हासिल की है। 2021 के बैच में भी दिव्या ने 438वीं रैंक हासिल की थी और सबसे कम उम्र (सिर्फ 22 साल) की आईपीएस चुनी गई थीं। अब वह आईएएस हो गई हैं। दरअसल, इस बार के नतीजों में सबसे खास बात यह है कि हिन्दी के माध्यम से परीक्षा देने वाले 54 उम्मीदवारों में से 29 ने वैकल्पिक विषय के रूप में हिन्दी साहित्य लेकर यह कामयाबी हासिल की है। पांच-पांच उम्मीदवार ऐसे भी सफल हुए हैं, जिन्होंने इतिहास, भूगोल और राजनीति विज्ञान विषय लिया था। दो छात्रों ने गणित विषय लेकर हिन्दी माध्यम से सफलता हासिल की, जिनमें से एक ने 120वीं रैंक हासिल की है। अगर बात पिछले साल की जारी रखें तो राजस्थान के रवि कुमार सिहाग 18वीं रैंक के साथ हिन्दी मीडियम से परीक्षा देने वालों में टॉपर बने थे। सात साल के बाद हिन्दी माध्यम का कोई छात्र यूपीएससी पास करने वाले शीर्ष 25 उम्मीदवारों में जगह बना पाया था। इससे पहले सिविल सेवा की 2014 की परीक्षा में निशांत कुमार जैन 13वें स्थान पर रहे थे।

मैं आगे बढ़ने से पहले बताना चाहता हूं कि भारत के पूर्व विदेश सचिव शशांक संभवत: देश के हिन्दी माध्यम से यूपीएससी की परीक्षा को क्लीयर करने वाले पहले उम्मीदवार थे। वे भारत के बहुत सफल विदेश सचिव के रूप में याद किए जाते हैं। इसी तरह से दिल्ली पुलिस के आला अफसर रहे अजय चौधरी ने भी हिन्दी को यूपीएससी में परीक्षा देने का माध्यम बनाया था। वे दिल्ली पुलिस के धाकड़ पुलिस अधिकारी रहे हैं। देखिए, इस बेहतर परिणाम में सिविल सर्विसेज परीक्षा की तैयारी के लिए कोचिंग देने वाले दृष्टि आईएएस संस्थान का विशेष योगदान है। इस बार हिन्दी माध्यम से चयनित 54 से अधिक विद्यार्थी परीक्षा के किसी न किसी स्तर पर दृष्टि संस्थान से जुड़े रहे हैं। यहां के प्रमुख विद्वान डॉ. विकास दिव्यकीर्ति कहते हैं कि हमने कुछ साल पहले हिन्दी माध्यम के परिणाम को सुधारने के लिए कई पहलों की शुरु आत कर दी थी। जैसे कि ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले विद्यार्थियों को दिल्ली में रहने और पढ़ने की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए अस्मिता नाम से कार्यक्रम शुरू किया है। इसके अलावा, परिणाम में सुधार करने के लिए हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों को विशेष तौर पर मेंटरशिप और लाइब्रेरी की सुविधा भी दी जा रही है। इन्हीं तमाम प्रयासों का परिणाम रहा है कि आज इतना बेहतर हो सका है, और उम्मीद है कि परिणाम भविष्य में और बेहतर हो सकेगा।

बहरहाल, अभी कहना थोड़ी जल्दी ही होगी कि यूपीएससी पैटर्न में 2013 में हुए बदलाव के बाद हिन्दी माध्यम से परीक्षा देने वाले श्रेष्ठ प्रदर्शन करने लगे। यह भी कहा जा रहा है कि इस बार के परिणाम, बदलाव के बाद के सालों में बेहतर हैं, लेकिन यह अपवाद भी हो सकता है। अगर बात हिन्दी से हटकर करें तो जो अभ्यर्थी आईएएस, आईपीएस, आईएफएस और अन्य सेवाओं में जाएंगे, उनसे देश को अनेक उम्मीदें रहेंगी। उनसे पहली अपेक्षा तो यही होगी कि वे समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार के जनकल्याण के कार्यक्रमों का लाभ पहुंचाएं। देखिए, सरकार की तरफ से आने वाली योजनाओं को लागू करने का काम तो अफसरों पर ही निर्भर होता है। उन्हें यह देखना होता है कि सरकारी कार्यक्रम सही से लागू हों। इस मोर्चे पर बहुत से अफसर निकम्मे ही साबित होते हैं। पर, सरकार को अपने ईमानदार अफसरों के साथ हमेशा खड़ा होना होगा। कई बार ईमानदार अफसरों को जान से भी हाथ धोना पड़ा है।

आपको याद होगा कि कुछ साल पहले चंडीगढ़ से सटे खरड़ शहर में जोनल लाइसेंसिंग अथॉरिटी में अधिकारी नेहा शौरी की उनके दफ्तर में गोली मार कर हत्या कर गई थी। उस केस ने सत्येंद्र दुबे और मंजूनाथ जैसे ईमानदार सरकारी अफसरों की नृशंस हत्याओं की यादें ताजा कर दी थीं। नेहा शौरी बेहद मेहनती और ईमानदार सरकारी अफसर थीं। बेईमानों को छोड़ती नहीं थीं। इसका खमियाजा उन्हें जान देकर देना पड़ा। नेहा से पहले सत्येंद्र दुबे हों, मंजूनाथ हों या अशोक खेमका, इन्हें ईमानदारी की भारी कीमत अदा करनी पड़ी थी। सत्य के साथ खड़े होने वाले अफसरों का सरकार को साथ देना होगा। हरियाणा कैडर के आईएएस अफसर अशोक खेमका की आपबीती से कौन वाकिफ नहीं है? उन्हें न जाने कितनी बार यहां से वहां किया जाता रहा क्योंकि वे रितखोर अफसर नहीं हैं, और क्योंकि, वे सदा सच के साथ खड़े होते रहे हैं। दरअसल, कड़वी दवा और कड़क ईमानदार अफसर को कम लोग ही पसंद करते हैं। ज्यादातर लोगों को बिकने वाले सरकारी बाबू चाहिए जो उनके हिसाब से काम करें।

बहरहाल, यूपीएससी की परीक्षा में हिन्दी के माध्यम से सफल हुए सभी उम्मीदवारों को अलग से बधाई। उनसे उम्मीद तो यही रहेगी कि वे शशांक जी और अजय चौधरी जैसे बेहतरीन अफसरों के रूप में अपने को साबित करेंगे।

भारत ने बनाया तीसरा ध्रुव

डॉ. दिलीप चौबे

दुनिया के कूटनीतिक और विदेश नीति विशेषज्ञ अब भारत को तीसरे ध्रुव के रूप में स्वीकार करने लगे हैं।

सोवियत संघ के विघटन के बाद अमेरिकी विशेषज्ञ फुकुयामा का मानना था कि दुनिया में अब केवल एक ध्रुव अमेरिका ही रहेगा। यह विश्व व्यवस्था अनंतकाल तक चलेगी। पिछले तीन दशकों में दुनिया के हालात बदले और अपनी आर्थिक ताकत के बलबूते चीन ने दूसरा ध्रुव बनने का दावा पेश किया जिसे चाहे-अनचाहे पश्चिमी देश भी स्वीकार करने लगे हैं। पिछले एक दशक में भारत में राजनीतिक स्थायित्व और सक्रिय विदेश नीति के कारण अमेरिका और चीन वाली दो ध्रुवीय वि व्यवस्था में नया पहलू जुड़ सकता है। राष्ट्रपति पुतिन के नेतृत्व में रूस ने सोवियत विघटन से उबरने के बाद नई ताकत हासिल की है, लेकिन निश्चित विचारधारा की गैर-मौजूदगी और बहुआयामी अर्थव्यवस्था के अभाव में वह वि स्तर पर अहम भूमिका निभाने की स्थिति में नहीं है।

भारत की विदेश नीति कभी शक्ति प्रदर्शन पर आधारित नहीं थी। पं. जवाहरलाल नेहरू ने पंचशील के आधार पर विकासशील और अर्धविकसित देशों को एकजुट करने के लिए गुट-निरपेक्ष आंदोलन पर जोर दिया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बदले हुए हालात में पं. नेहरू का अनुसरण करते हुए ग्लोबल साउथ को एकजुट करने की कोशिश की है। यूक्रेन युद्ध के दौरान तटस्थ भूमिका निभाकर भारत ने अपनी विश्वसनीयता पर मोहर लगवा दी है।

पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री जेम्स मारापे ने प्रधानमंत्री मोदी का चरणस्पर्श किया जो अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की अनोखी घटना है। उन्होंने भारत और मोदी को ग्लोबल साउथ का नेता भी करार दिया। प्रशांत क्षेत्र के देशों के लिए भौगोलिक रूप से चीन अधिक महत्त्वपूर्ण देश है। वहां के नेता अब भारत को अपना प्रवक्ता मान रहे हैं, तो यह विदेश नीति की बड़ी सफलता है। पापुआ न्यू गिनी के बाद ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने मोदी को बॉस बताया। वास्तव में मोदी अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में नई शब्दावली के जन्मदाता बन रहे हैं।

भारत की भूमिका को लेकर देश में विशेषज्ञ दो खेमों में बंटे हुए हैं। बड़ा खेमा भारत की तटस्थ नीति और ग्लोबल साउथ को प्राथमिकता देने के पक्ष में है। दूसरी ओर छोटा लेकिन प्रभावशाली खेमा भारत के अमेरिका और पश्चिमी देशों के साथ गठजोड़ करने का समर्थक है। यह तबका ग्लोबल साउथ या तीसरे ध्रुव के विचार को दिवास्वप्न करार देता है। घरेलू राजनीति में भी विदेश नीति को लेकर मैतक्य नजर नहीं आता। कांग्रेस नेता राहुल गांधी रूस पर यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हैं। रूस की कार्रवाई की तुलना पूर्वी लद्दाख में चीन की सैनिक कार्रवाई से करते हैं। कांग्रेस नेता शशि थरूर और मनीष तिवारी भी रूस की आलोचक रहे हैं। पूरे प्रकरण में वामपंथी नेताओं और समीक्षकों की भूमिका दिलचस्प है। अमेरिकी साम्राज्यवाद का दशकों विरोध करने वाला तबका भारत की तटस्थ नीति का खुलकर समर्थन नहीं करता। इतना ही नहीं वामपंथी रुझान वाली मीडिया में रूस के खिलाफ अमेरिकी प्रोपगेंडा को ही प्रसारित किया जा रहा है। हालांकि कुछ वामपंथी समीक्षक मोदी को कोई श्रेय न देने के बावजूद भारत की यूक्रेन नीति को सही ठहराते हैं।

अगले महीने राहुल और नरेन्द्र मोदी दोनों अमेरिका यात्रा पर होंगे। इस दौरान वे यूक्रेन युद्ध के बारे में क्या विचार व्यक्त करते हैं, इस पर सबकी नजर होगी। यह एक राजनीतिक हकीकत है कि दुनिया के अधिकतर देशों के नेता अमेरिकी प्रशासन की गुड बुक में रहने की कोशिश करते हैं। लोक सभा चुनाव के पहले राहुल भी अमेरिकी प्रशासन को अपने अनुकूल करने की कोशिश कर सकते हैं, वहीं अपनी आधिकारित यात्रा के दौरान पीएम मोदी अमेरिकी प्रशासन को आस्त कर सकते हैं कि स्वतंत्र विदेश नीति का अनुसरण करने के साथ ही भारत अमेरिका के साथ अपने संबंधों को प्राथमिकता देता है।

भारत की अपेक्षा केवल इतनी है कि रूस के साथ उसके सैन्य और आर्थिक संबंधों में रुकावट पैदा न की जाए। बहुत कुछ यूक्रेन में युद्ध के घटनाक्रम पर निर्भर करता है। यदि वहां युद्ध व्यापक रूप लेता है, तो भारत के लिए रूस के साथ संबंधों को सामान्य बनाए रखना दुरूह साबित होगा। भारत प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से प्रतिबंधों के दायरे में आ सकता है।

भारत के सांस्कृतिक पुनर्स्थापन का प्रतीक

बलबीर पुंज

देश के नए संसद भवन का उद्घाटन है। इसमें चोल साम्राज्य के जिस 'सेंगोल' (राजदंड) की चर्चा हो रही है, उसका सदियों की गुलामी के पश्चात स्वाधीनता की पूर्व संध्या पर उदय, फिर उसका साढ़े सात दशक तक विस्मृत होना और अब आजादी के अमृत महोत्सव में उसका प्रकटीकरण वह भारत की विचारयात्रा का प्रतिनिधित्व करता है।

देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं. नेहरू द्वारा 14-15 अगस्त 1947 की मध्यरात्रि में दिए प्रसिद्ध भाषण से पहले जो कुछ हुआ था, उसका अविस्मरणीय उल्लेख देश-विदेश के कई समाचारपत्रों-पत्रिकाओं की मीडिया रिपोर्टों के साथ लैरी कॉलिंस-डॉमिनिक लैपियर द्वारा लिखित फ्रीडम एट मिडनाइट (1975) आदि पुस्तकों में किया गया है। इन वृतांतों के अनुसार, जब लॉर्ड माउंटबेटन ने पं. नेहरू से पूछा कि वह किस अनुष्ठान से सत्ता-हस्तांतरण करना चाहेंगे, तब नेहरू ने सी.राजागोपालाचारी (राजाजी) से परामर्श लिया और राजाजी ने तत्कालीन तमिलनाडु स्थित शैव परंपरा के गैर-ब्राह्मण 'थिरुवावदुथुरई आधीनम' से पारंपरिक कर्मकांड हेतु संपर्क किया। राजाजी के अनुरोध पर आधीनम ने स्वर्ण मढ़ित, पांच फीट लंबा और दो इंच मोटा 'राजदंड' तैयार करवाया, जिसके शीर्ष पर न्याय के रक्षक और प्रतीक- नंदी विद्यमान थे।

विशेष विमान से आधीनम के दो विशेष मुनि 'राजदंड' के साथ दिल्ली पहुंचे। बकौल तत्कालीन मीडिया रिपोर्ट, 14 अगस्त को पहले 'राजदंड' को माउंटबेटन को दिया गया, फिर उनसे वापस लेकर उसे गंगाजल से पवित्र किया गया। दोनों संन्यासी अपने अन्य अनुचरों के साथ वैदिक मंत्रोच्चारण और आनुष्ठानिक वाद्ययंत्र 'नादस्वरम' से सुशोभित अन्य देशज परंपराओं का निर्वाहन करते हुए पं.नेहरू के तत्कालीन निवासस्थान- 17, यॉर्क मार्ग (मोतीलाल नेहरू मार्ग) पहुंचे। तब पुजारियों के पास चांदी की एक बड़ी थाली थी, जिसमें भगवान को अर्पित पीतांबरम रखा था। वैदिक छंदों के साथ पं. नेहरू को पीतांबरम ओढ़ाकर 'राजदंड' सौंपा गया। एक पुजारी ने तंजौर से लाए पवित्र जल को पं.नेहरू पर छिड़ककर उनके माथे पर तिलक लगाया और उन्हें भगवान शिव को अर्पित कुछ पके हुए चावल दिए।

अमेरिकी पत्रिका टाइम में 25 अगस्त, 1947 को प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, उसी शाम संविधान सभा के तत्कालीन अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद के आवास पर केले के चार पेड़ों के बीच बनाए अस्थायी मंदिर में पवित्र अग्नि प्रज्वलित की गई थी। सैकड़ों महिलाओं द्वारा वैदिक स्तोत्र के बीच पुजारी ने पवित्र जल छिड़ककर देश के भावी मंत्रियों को तिलक लगाया। इसके बाद पं. नेहरू का भाषण हुआ और फिर कक्ष अलौकिक शंखनाद से गूंज उठा।

अनादिकाल से भारतीय व्यवस्था अपनी वैदिक संस्कृति और परंपराओं से पोषित होती रही है। इस अकाट्य सत्य को सत्ता हस्तांतरण हेतु वैदिक रीतियों की अनुपालना के साथ अन्य तथ्यों से भी रेखांकित किया जा सकता है। राष्ट्रपति भवन (स्वतंत्रता पूर्व 'वायसराय हाउस') की छतों-दीवारों पर अब भी स्वर्ण-अक्षरों में श्रीमद्भागवत गीता के कई संस्कृत श्लोकों को देखा जा सकता है। भारतीय संविधान की हस्तलिखित हिंदी-अंग्रेजी मूल प्रतियां वैदिक काल, भगवान श्रीराम, श्रीकृष्ण, गुरुकुल, बुद्ध के उपदेश, महावीर के जीवन, छत्रपति शिवाजी और गुरु गोबिंद सिंह इत्यादि की तस्वीरों से अलंकृत हैं। संविधान की मूल प्रतियों में इन सभी के चित्र इसलिए हैं, क्योंकि असंख्य स्वाधीनता संग्रामियों ने इन्हीं से प्रेरणा लेकर अपने प्राणों की आहुति दी या जेल गए, तो उन्हीं की संकल्पना पर देश के पुनर्निर्माण का मार्ग निर्धारित हुआ था।

भारतीय शासकीय व्यवस्था का अपनी संस्कृति से विच्छेदन तब प्रारंभ हुआ, जब पं. नेहरू के आशीर्वाद और कालांतर में इंदिरा गांधी के राजनीतिक समझौते (1969-71) से वे वामपंथी देश के महत्वपूर्ण पदों तक पहुंच गए, जिनका वैचारिक लक्ष्य भारतीय सांस्कृतिक विरासत को नष्ट करना है। इसी चिंतन से प्रेरित होकर वामपंथियों ने भारत का विभाजन कर पाकिस्तान के जन्म में महती भूमिका निभाई। इसी दर्शन से देश का 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' प्रेरणा पाता है। जब वामपंथ प्रदत्त समाजवादी नीतियों के कारण 1970-80 के दशक में भारत रसातल में पहुंच गया, तब वामपंथी अर्थशास्त्री राजकृष्ण ने तत्कालीन भारतीय आर्थिकी की त्रासिक दशा के लिए सनातन संस्कृति को जिम्मेदार ठहराते हुए 'हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ' शब्द को जन्म दे दिया। इसी वामपंथ अभिशप्त राजनीतिक-वैचारिक दर्शन ने 'राजदंड' की सांस्कृतिक प्रतिष्ठा को प्रयागराज संग्रहालय स्थित धूल भरे बक्से में पं. नेहरू की 'चलने में सहायक स्वर्ण छड़ी' के रूप में संकुचित कर दिया।

आज वामपंथी देश में हाशिये पर है, जिसका परिणाम यह है कि भारत, जो सनातन संस्कृति से प्रेरणा लेकर पहली शताब्दी से 17वीं सदी तक दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था- आज विश्व की सबसे बड़ी आर्थिक-सामरिक शक्तियों में से एक है।

स्वतंत्रता की पावन बेला पर आयोजित अनुष्ठान में जिस 'सेंगोल' का उपयोग हुआ था, वह भारत की पवित्र परंपराओं और शासक की लौकिक जिम्मेदारियों के बीच संबंध का प्रतिनिधित्व करता है। उस राजदंड को साढ़े सात दशक की उपेक्षा के बाद नए संसद भवन में सभापति आसन के निकट स्थापित किया जाना है, जिसके संपन्न होते ही इतिहास का एक चक्र भी पूरा हो जाएगा।

सुधरेगा अपशिष्ट प्रबंधन

अनिरुद्ध गौड़

हाल में आए एनजीटी के एक फैसले की बहुत चर्चा है, जिसमें एनजीटी ने बिहार सरकार पर ठोस कचरे और सीवेज के वैज्ञानिक उपचार और प्रबंधन में विफलता के लिए 4000 करोड़ रुपये के मुआवजे/जुर्माने का आदेश दिया है।

पीठ ने निर्देश दिए हैं कि इस रकम को रिंग फेंस खाते में रखा जा सकता है, जिसे मुख्य सचिव के निर्देशन में सिर्फ अपशिष्ट प्रबंधन की योजनाओं के संचालन में इस्तेमाल किया जाए।

राष्ट्रीय हरित अधिकरण यानी एनजीटी की स्थापना राष्ट्रीय हरित अधिकरण अधिनियम, 2010 के अंतर्गत भारत में 18 अक्टूबर, 2010 को हुई थी। भारत में एनजीटी की भोपाल, पुणो, कोलकाता और चेन्नई में चार क्षेत्रीय बेंच हैं जबकि नई दिल्ली में मुख्य बेंच है। एनजीटी ने पिछले कुछ वर्षों में ठोस कचरे और सीवेज के वैज्ञानिक उपचार एवं प्रबंधन में विफलता से पर्यावरण को हुए नुकसान की भरपाई के लिए सात राज्यों पर हजारों करोड़ रुपये के जुर्माने लगाए हैं।

पॉल्यूटर पे प्रिंसिपल अर्थात प्रदूषण फैलाने वाले करें क्षति का भुगतान के सिद्धांत पर पर्यावरणीय मुआवजे और बहाली की लागत के लिए एनजीटी ने 2022 तक राज्यों पर करीब 28180 करोड़ और अन्य मामलों में 2000 करोड़ रुपये के जुर्माने तय किए। एनजीटी की स्थापना से पहले पर्यावरण से संबंधित मामले हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में निस्तारित होते थे, लेकिन अब राज्यों, सरकारी और प्राइवेट कंपनियों और व्यक्ति विशेष के खिलाफ दायर पर्यावरणीय मामलों का निस्तारण एनजीटी कर रहा है। उदाहरण के तौर पर ठोस कचरे और सीवेज के वैज्ञानिक उपचार एवं प्रबंधन के संबंध में 1996 में सुप्रीम कोर्ट में अलमित्रा एच पटेल बनाम भारत सरकार का मामला पहुंचा था और 18 साल चलने के बाद 2014 में एनजीटी को सौंपा गया। 8 वर्ष चले इस मामले में एनजीटी ने 8 सितम्बर, 2022 को एक आदेश में महाराष्ट्र पर 1200 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। एनजीटी ने आदेशों में राज्यों पर ठोस कचरा और सीवेज उत्पादन एवं उपचार के गैप के आधार पर जुर्माने की गणना की है। राज्यों में कहीं पर सीवेज कुप्रबंधन है तो कहीं ठोस कचरा। ऐसे भी मामले हैं, जहां पुराने कचरे से पर्यावरण को क्षति होती है। पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति और पुनरुद्धार की लागत को बराबर मानते हुए सीवेज के लिए 2 करोड़ रुपये प्रति मिलियन लीटर प्रति दिन और ठोस कचरे के लिए रुपये 300 प्रति मीट्रिक टन तय किया गया है।

इसे ऐसे समझें कि तेलंगाना पर 3800 करोड़ रुपये के जुर्माने में 1824 एमएलडी अनउपचारित सीवेज पर 2 करोड़ रुपये प्रति एमएलडी के हिसाब से 3648 करोड़ रुपये और रुपये 300 प्रति मीट्रिक टन के हिसाब से 5.9 मिलियन टन लीगेसी कचरे पर 177 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। एनजीटी आगे भी और राज्यों पर ठोस कचरे और सीवेज कुप्रबंधन को लेकर जुर्माना लगा सकता है। हालांकि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रणबोर्ड और राज्य प्रदूषण नियंत्रणबोर्ड जुर्माना वसूली में पीछे रहे हैं क्योंकि जुर्माना एकत्र करना कठिन काम है। पीठ ने राज्यों के मुख्य सचिवों को इस फंड को दो खातों में जमा करने के निर्देश के साथ इस रकम को राज्य के सिर्फ ठोस कचरा और सीवेज प्रबंधन पर खर्च करने को कहा है। हर छह माह पर प्रगति रिपोर्ट भी मांगी है।

एनजीटी एक्ट के अनुसार असहमत पार्टी को 90 दिन के अंदर सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर करने का समय मिलता है। पार्टियां अपना पक्ष रख कर अपेक्षा रखती हैं कि एनजीटी के आदेशों को निरस्त कर सुप्रीम कोर्ट राहत देगा। केंद्रीय प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड की ठोस कचरा प्रबंधन की 2020-21 रिपोर्ट में बताया गया देश के 35 राज्य और केंद्रशासित प्रदेशों में कुल 160038.9 टन प्रति दिन (टीपीडी) कचरा निकलता है जिसमें से 95.4 प्रतिशत एकत्रित क्षमता होने के कारण 152749.5 टीपीडी कचरा ही एकत्रित हो पाता है, और 79956.3 टीपीडी (50 प्रतिशत) कचरा ही निस्तारित हो पाता है। जबकि 18.4 प्रतिशत 29427.7 टीपीडी कचरा लैंडफिल में रहता है।

निर्जला एकादशी व्रत

एकादशी दो तरह की होती है. विद्धा एकादशी और शुद्धा एकादशी. सूर्योदयकाल में यदि दशमी तिथि का वेध हो या अरुणोदयकाल में एकादशी में दशमी का वेध हो तब यह एकादशी विद्धा कहलाती है।

यदि अरुणोदयकाल में दशमी के वेध से रहित एकादशी हो तब उसे शुद्धा एकादशी माना जाता है. प्राय: सभी शास्त्रों में दशमी से युक्त एकादशी व्रत करने का निषेध माना गया है. यदि शुद्धा एकादशी दो घड़ी तक भी हो और वह द्वादशी तिथि से युक्त हो तब उसे ही व्रत के लिए ग्रहण करना चाहिए.

इस वर्ष 2023 में निर्जला एकादशी का व्रत 31 मई को रखा जाएगा. ज्येष्ठ मास की शुक्ल पक्ष की निर्जला एकादशी को भीमसेनी एकादशी के नाम से भी जाना जाता है. ऋषि वेदव्यास जी के अनुसार इस एकादशी को भीमसेन ने धारण किया था. इसी वजह से इस एकादशी का नाम भीमसेनी एकादशी पडा. इस एकादशी के दिन व्रत व उपवास करने का विधान भी है. इस व्रत को करने से व्यक्ति को दीर्घायु तथा मोक्ष की प्राप्ति होती है. निर्जला अर्थात जल के बिना रहना इसकारण इसे निर्जला एकादशी कहा जाता है यह एक कठिन व्रत होता है. इस व्रत को निर्जल रखा जाता है अर्थात इस व्रत में जल का सेवन भी नहीं किया जाता .

इस एकादशी को करने से वर्ष की 24 एकादशियों के व्रत के समान फल मिलता है. यह व्रत करने के पश्चात द्वादशी तिथि में ब्रह्मा बेला में उठकर स्नान,दान तथा ब्राह्मण को भोजन कराना चाहिए. इस दिन 'ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय' मंत्र का जाप करके गौदान, वस्त्रदान, छत्र, फल आदि दान करना चाहिए.

निर्जला एकादशी पूजा

निर्जला एकादशी का व्रत करने के लिये दशमी तिथि से ही व्रत के नियमों का पालन आरंभ हो जाता है. इस एकादशी में 卐ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय卐 मंत्र का उच्चारण करना चाहिए. इस दिन गौ दान करने का भी विशेष महत्व होता है. इस दिन व्रत करने के अतिरिक्त जप, तप गंगा स्नान आदि कार्य करना शुभ रहता है.

इस व्रत में सबसे पहले श्री विष्णु जी की पूजा कि जाती है तथा व्रत कथा को सुना जाता है. पूजा पाठ के पश्चात सामर्थ अनुसार ब्राह्मणों को दक्षिणा, मिष्ठान आदि देना चाहिए संभव हो सके तो व्रत की रात्रि में जागरण करना चाहिए.

निर्जला एकादशी व्रत कथा

निर्जला एकादशी व्रत की कथा इस प्रकार है - महाभारत काल में भीमसेन ने व्यास जी से कहा की हे भगवान, युधिष्ठर, अर्जुन, नकुल, सहदेव, कुन्ती तथा द्रौपदी सभी एकादशी के दिन व्रत किया करते हैं परंतु मैं भूख बर्दाश्त नहीं कर सकता. मैं दान देकर वासुदेव भगवान की अर्चना करके प्रसन्न कर सकता हूं. मैं बिना काया कलेश की ही फल प्राप्त करना चाहता हूं अत: आप कृपा करके मेरी सहायता करें.

इस पर वेद व्याद जी भीमसेन से कहते हैं कि हे भीम अगर तुम स्वर्गलोक जाना चाहते हो, तो दोनों एकादशियों का व्रत बिना भोजन ग्रहण किए करो क्योंकि ज्येष्ठ मास की एकादशी का निर्जल व्रत करना विशेष शुभ कहा गया है. इस व्रत में आचमन में जल ग्रहण कर सकते है. अन्नाहार करने से व्रत खंडित हो जाता है. व्यास जी की आज्ञा अनुसार भीमसेन ने यह व्रत किया और वे पाप मुक्त हो गये.

निर्जला एकादशी व्रत का महत्व

मिथुन संक्रान्ति के मध्य ज्येष्ठ मास की शुक्लपक्ष की एकादशी को निर्जल व्रत किया जाता है. सूर्योदय से व्रत का अरंभ हो जाता है. इसके अतिरिक्त द्वादशी के दिन सूर्योदय से पहले ही उठना चाहिए. इस एकादशी का व्रत करना सभी तीर्थों में स्नान करने के समान है. निर्जला एकादशी का व्रत करने से मनुष्य सभी पापों से मुक्ति पाता है. जो मनुष्य निर्जला एकादशी का व्रत करता है उनको मृत्यु के समय मानसिक और शारीरिक कष्ट नही होता है. यह एकादशी पांडव एकादशी के नाम से भी जानी जाती है. इस व्रत को करने के बाद जो व्यक्ति स्नान, तप और दान करता है, उसे करोडों गायों को दान करने के समान फल प्राप्त होता है.

महापुण्यकारी पर्व है गंगा दशहरा

मोक्षदायिनी गंगा का करें पूजन

पुराणों के अनुसार गंगा दशहरा के दिन गंगा स्नान का विशेष महत्व है। इस दिन स्वर्ग से गंगा का धरती पर अवतरण हुआ था, इसलिए यह महापुण्यकारी पर्व माना जाता है। गंगा दशहरा के दिन सभी गंगा मंदिरों में भगवान शिव का अभिषेक किया जाता है। वहीं इस दिन मोक्षदायिनी गंगा का पूजन-अर्चना भी किया जाता है।

क्या है दान-पुण्य का महत्वः

गंगा दशहरा के दिन दान-पुण्य का विशेष महत्व है। इस दिन लोग पूजा-अर्चना करने के साथ ही दान-पुण्य करते हैं। कई लोग तो स्नान करने के लिए हरिद्वार जैसे पवित्र नदी में स्नान करने जाते हैं। इस दिन दान में सतू, मटका और हाथ का पंखा दान करने से दुगुना फल प्राप्त होता है।

गंगा दशहरा के दिन किसी भी नदी में स्नान करके दान और तर्पण करने से मनुष्य जाने-अनजाने में किए गए कम से कम दस पापों से मुक्त होता है। इन दस पापों के हरण होने से ही इस तिथि का नाम गंगा दशहरा पड़ा है।

क्यों और कैसे करें गंगा दशहरा व्रत :

* गंगा दशहरा का व्रत भगवान विष्णु को खुश करने के लिए किया जाता है।
* इस दिन भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना की जाती है।
* इस दिन लोग व्रत करके पानी भी (जल का त्याग करके) छोड़कर इस व्रत को करते हैं।
* ग्यारस (एकादशी) की कथा सुनते हैं और अगले दिन लोग दान-पुण्य करते हैं।
* इस दिन जल का घट दान करके फिर जल पीकर अपना व्रत पूर्ण करते हैं।
* इस दिन दान में केला, नारियल, अनार, सुपारी, खरबूजा, आम, जल भरी सुराई, हाथ का पंखा आदि चीजें भक्त दान करते हैं।

भगवान शिव की महेश नवमी

महेश के बोध चिह्नों का करें अनुसरण

माहेश्वरी समाज की उत्पत्ति भगवान शिव के वरदान स्वरूप मानी गई है। उत्पत्ति दिवस ज्येष्ठ शुल नवमी है, जो महेश नवमी के रूप में मनाई जाती है। महेश स्वरूप में आराध्य भगवान शिव पृथ्वी से भी ऊपर कोमल कमल पुष्प पर बेलपत्ती, त्रिपुंड, त्रिशूल, डमरू के साथ लिंग रूप में शोभायमान होते हैं। भगवान शिव के इस बोध चिह्न के प्रत्येक प्रतीक का अपना महत्व है।

पृथ्वी- पृथ्वी गोल परिधि में है परंतु भगवान महेश ऊपर हैं अर्थात पृथ्वी की परिधि भी जिन्हें नहीं बाँध सकती वह एक लिंग भगवान महेश संपूर्ण ब्रह्मांड में सबसे ऊपर हैं।

त्रिपुंड- इसमें तीन आड़ी रेखाएँ हैं, जो कि संपूर्ण ब्रह्मांड को समाए हुए हैं। एक खड़ी रेखा यानी भगवान शिव का ही तीसरा नेत्र, जो कि दुष्टों के दमन हेतु खुलता है। यह त्रिपुंड भस्म से ही लगाया जाता है जो कि देवाधिदेव हादेव की वैराग्य वृति के साथ ही त्यागवृत्ति की ओर इंगित करता है तथा हमें आदेश देता है कि हम भी अपने जीवन में हमेशा त्याग व वैराग्य की भावना को समाहित कर समाज व देश का उत्थान करें।

त्रिशूल- विविध तापों को नष्ट करने वाला एवं दुष्ट प्रवृत्ति का दमन कर सर्वत्र शांति की स्थापना करता है।

डमरू- स्वर, संगीत की शिक्षा देकर कहता है उठो, जागो और जनमानस को जागृत कर समाज व देश की समस्याओं को दूर करो, परिवर्तन का डंका बजाओ।

कमल- जिसमें नौ पंखुड़ियाँ हैं, जो कि नौ दुर्गाओं का द्योतक है। नवमी ही हमारा उत्पत्ति दिवस है। कमल ही ऐसा पुष्प है जिसे भगवान विष्णु ने अपनी नाभि से अंकुरित कर ब्रह्माजी की उत्पत्ति की। महालक्ष्मी कमल पर ही विराजमान हैं व दोनों हाथ में कमल पुष्प लिए हैं। ज्ञान की देवी सरस्वतीजी भी श्वेत कमल पर विराजमान हैं। इतना ही नहीं कमल कीचड़ में खिलता है, जल में रहता है, परंतु किसी में भी लिप्त नहीं। अत: यही भाव हमारे समाज का होना चाहिए। काम करेंगे- करते रहेंगे, न कोई फल की इच्छा, न कोई पद की चाह, न कोई मान-समान। बस हम भी कमल की तरह खिलते रहें, मंगल करते रहें। कमल की बीच की पंखुड़ी पर अंकित है । अखिल ब्रह्मांड का द्योतक, सभी मंगल मंत्रों का मूलाधार, परमात्मा के अनेक रूपों का समावेश किए सगुण-निर्गुणाकार एकाक्षर ब्रह्म आदि से सारे ग्रंथ भरे पड़े हैं। हमारा समाज आस्तिक एवं प्रभु पर विश्वास एवं श्रद्धा रखने वाला है। अत: ईश्वरीय श्रद्धा का प्रतीक है।

बेलपत्ती- त्रिदलीय बेल पत्र हमारे स्वास्थ्य का द्योतक है। भगवान महेश के चरणों में अर्पित है श्रद्धा युक्त बेलपत्र, जो कि शिव को परमप्रिय है।

सेवा- समाज का बहुत बड़ा ऋण हमारे ऊपर रहता है। अत: ये नहीं सोचें कि समाज ने हमें या दिया वरन समाज को हम या दे रहे हैं। यही सेवा भाव होना चाहिए। जैसे माता पुत्र की सेवा करती है, परंतु बदले में कुछ नहीं चाहती। सेवा में अनेक समस्याएँ आती हैं, जिन्हें हम सुलझा सकते हैं।

त्याग- त्याग की महिमा से तो हिन्दुओं के ही नहीं संसार के समस्त धर्मों के शास्त्र भरे पड़े हैं। हमारे पूर्वज सादगीपूर्ण जीवन अपनाकर बची पूँजी समाजोपयोगी कार्य में लगाकर स्वयं को धन्य मानते थे।

सदाचार- मानव जीवन में सदाचार का बहुत ऊँचा स्थान है। जिस व्यक्ति में, परिवार में, समाज में चरित्रहीनता, व्यसनाधीनता, अनैतिकता, गुंडागर्दी, भ्रष्टाचार आदि बड़े पैमाने पर व्याप्त हों तो उस समाज की उन्नति नहीं हो सकती और जब समाज प्रगति नहीं करता तो उस देश की प्रगति नहीं होती। अत. व्यक्ति का सदाचारी होना आवश्यक है।

सेवा, त्याग, सदाचार युक्त यह बोध चिह्न सिर्फ बोध चिह्न नहीं अपितु समाज को गौरवान्वित करके जीवन में एक नई शक्ति का द्योतक है। अत: इस बहुउद्देशीय बोध चिह्न को हम अपने जीवन में भी स्वीकार करें व समाज एवं राष्ट्र हित के लिए अपने को समर्पित करें।

भगवान शिव की पूजा में क्यों वर्जित है शंख का प्रयोग

हिन्दू धर्म को विश्व के सभी धर्मों में सबसे पुराना और वेदों पर आधारित धर्म माना जाता है, यह अपने गर्भ में विभिन्न देवी देवताओं की उपासनाओं, मतों, धार्मिक पंथों, और दर्शनों को समेटे हुए है । हिन्दु धर्म के लोग अपनी-अपनी आस्था के अनुसार अपने इष्ट देव को मानते हैं । हिन्दू धर्म की मान्यताओं के अनुसार पांच प्रमुख देवता हैं विष्णु, गणेश, सूर्य, शिव और शक्ति । जो शक्तियों के अलग-अलग रूप हैं। हिन्दू धर्म के इन प्रमुख देवताओं में से भगवान शिव को देवों के देव महादेव कहा जाता हैं । भगवान शिव के 108 नाम हैं ।

भगवान शिव को सभी विद्याओं का जनक भी माना जाता है। वे तंत्र से लेकर मंत्र तक और योग से लेकर समाधि तक प्रत्येक क्षेत्र के आदि और अंत हैं। यही नहीं वे संगीत के आदि सृजनकर्ता भी हैं, और नटराज के रुप में कलाकारों के आराध्य भी हैं । कोई भी प्रार्थना, पूजा पाठ, आराधना, मंत्र, स्तोत्र और स्तुतियों का फल तभी प्राप्त होता है जब आराधना विधि-विधान और शास्त्रोक्त तरीकों से की जाए । शिव उपासना में शंख का प्रयोग वर्जित माना गया है। पुरातन कथाओं के अनुसार भगवान शिव की पूजा में शंख का प्रयोग नहीं होता । इन्हें शंख से न तो जल अर्पित किया जाता है और न ही शंख बजाया जाता है ।

पुरातन कथा के अनुसार एक समय श्री राधा रानी गोलोक धाम से कहीं बाहर गई हुई थी । भगवान श्री कृष्ण अपनी सखी विरजा के साथ विहार कर रहे थे । संयोगवश उसी समय श्री राधा रानी वहां आ गई । सखी विरजा को अपने प्राण प्रिय श्री कृष्ण के साथ देख कर श्री राधा रानी को बहुत क्रोध आया । क्रोध में उन्होंने कुछ ऐसे शब्दों का प्रयोग किया जिससे विरजा को बहुत लज्जा महसूस हुई । लज्जावश विरजा ने नदी का रूप धारण कर लिया और वह नदी बनकर बहने लगी । श्री राधा रानी के क्रोध भरे शब्दों को सुन कर भगवान श्री कृष्ण के मित्र सुदामा को बहुत बुरा लगा उन्होंने श्री राधा रानी से ऊंचे स्वर में बात की। जिससे क्रोधित श्री राधा रानी ने सुदामा को दानव बनने का श्राप दे दिया ।

आवेश में आए सुदामा ने भी हित-अहित का विचार किए बिना श्री राधा रानी को मनुष्य योनि में जन्म लेने का श्राप दे दिया । श्री राधा रानी के श्राप से सुदामा शंखचूर नाम का दानव बना । दंभ के पुत्र शंखचूर का वर्णन शिवपुराण में भी मिलता है। यह अपने बल के अवेशष में तीनों लोकों का स्वामी बन बैठा और साथ ही सभी साधु-संतों को सताने लगा । साधु-संतों की रक्षा के लिए भगवान शिव ने शंखचूर का वध कर दिया । शंखचूर श्री विष्णु और देवी लक्ष्मी का परम प्रिय भक्त था । भगवान विष्णु ने इसकी हड्डियों से शंख का निर्माण किया इसलिए विष्णु एवं अन्य देवी देवताओं को शंख से जल अर्पित किया जाता है ।

भगवान विष्णु को शंख इतना प्रिय है कि शंख से जल अर्पित करने पर भगवान विष्णु अति प्रसन्न हो जाते हैं लेकिन भगवान शिव की पूजा में शंख का न तो प्रयोग होता है और न ही जल दिया जाता है और न भगवान शिव की पूजा में शंख बजाया जाता है क्योंकि भगवान शिव ने शंखचूर का वध किया था इसलिए शंख भगवान शिव की पूजा में वर्जित माना गया है ।

पुलिस और विपक्ष समर्थकों के बीच झड़प में एक की मौत

डकार । सेनेगल में विपक्ष के एक नेता के समर्थकों और पुलिस के बीच हुई झड़प में एक व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि कई अन्य जख्मी हो गए। मृतक के दोस्त बौबकर बाल्डे ने बताया कि देश के दक्षिणी हिस्से में स्थित कोल्डा शहर में शुक्रवार को अलीओ बोडियन की मौत हो गई। विपक्ष के नेता उस्मानी सोन्को ने समर्थकों से अपने गृह नगर जगिुइनचोर से राजधानी डकार तक निकाले जा रहे 'आज़ादी कारवां' में शामिल होने का आह्वान किया है। गौरतलब है कि सोन्को जगिुइनचोर के मेयर हैं। अगले हफ्ते डकार की एक अदालत उनके खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले पर फैसला सुना सकती है। सोन्को पर 'मसाज पार्लर' में काम करने वाली एक महिला से बलात्कार करने और उसे जान से मारने की धमकी देने का आरोप है और इस मामले में उन्हें 10 साल तक की सज़ा हो सकती है। अगर उन्हें दोषी ठहराया जाता है, तो वह अगले साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में किस्मत नहीं आज़मा पाएंगे। सोन्को ने सुनवाई में हिस्सा नहीं लिया है। उन्होंने कहा कि वह नाइंसाफी के खिलाफ विरोध कर रहे हैं और अदालत के समन का जवाब नहीं देंगे। सोन्को और उनके समर्थकों ने इस मामले को राष्ट्रपति मैकी सॉल नीत सरकार की साज़िश करार दिया है, जिसका मकसद उन्हें राष्ट्रपति चुनाव लड़ने से रोकना है। इलाके में पुलिस और सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है।

चार भारतीयों के शव मिलने के मामले में आरोपी ने खुद को बताया बेकसू

ह्यूस्टन । फ्लोरिडा के एक व्यक्ति ने पिछले साल कनाडा-अमेरिका सीमा से कुछ ही कदम की दूरी पर भारतीय परिवार के चार सदस्यों के मृत पाए जाने से संबंधित मामले में मानव तस्करी का आरोप स्वीकार करने से इनकार कर दिया है। इस मामले में उसने खुद को बेकसूर बताया है। मी ?डिया में आई खबर के अनुसार, स्टीव शैंड (48) पर जनवरी 2022 में कड़ाके की ठंड के दौरान भारत से प्रवासियों को अवैध रूप से अमेरिका लाने का आरोप है। मिनेसोटा के मजिस्ट्रेट न्यायाधीश लियो ब्रिस्बोइस ने शैंड से पूछा कि वह इन आरोपों पर क्या कहेंगे तो उसने कहा ?कि मैं ये आरोप स्वीकार नहीं करता। गौरतलब है ?कि शैंड को जनवरी 2022 में उत्तरी मिनेसोटा के एक सुदूर इलाके में गिरफ्तार किया गया था। एक खबर के अनुसार मैनिटोबा में कनाडा-अमेरिका सीमा से लगभग 12 मीटर की दूरी पर रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) को चार लोगों के शव मिले थे। अधिकारियों का मानना है कि अमेरिका में घुसने की कोशिश करते समय उनकी मौत हो गई थी।

पक्षी टकराने के कारण नेपाल एयरलाइंस का विमान वापस काठमांडू लौटा

काठमांडू। बेंगलुरु जा रहे नेपाल एयरलाइंस के एक विमान से एक पक्षीटकरा गया। जिसके बाद विमान को यहां त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे (टीआईए) पर लौटना पड़ा। पक्षी के टकराने से संभवत- विमान के दाहिने विंग के ब्लेड क्षतिग्रस्त हो गए थे। टीआईए के प्रवक्ता टेकनाथ सितौला के अनुसार, नेपाल एयरलाइंस का ए320 विमान त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित तरीके से उतर गया और तकनीशियन इसकी जांच कर रहे हैं। ?मिली खबर के अनुसार विमान ने अपराह्न 1:45 बजे टीआईए से उड़ान भरी, लेकिन उसे 25 मिनट बाद उसी हवाई अड्डे पर वापस लौटना पड़ा। अधिकारियों ने बताया कि विमान के दाहिने विंग के ब्लेड क्षतिग्रस्त हो गए। टीआईए के सूत्रों की मानें तो उड़ान आरए-225 के यात्रियों ने तेज आवाज सुनने की सूचना दी। सितौला ने कहा ?कि उड़ान भरने के दौरान पक्षी के टकराने का संदेह होने पर विमान को काठमांडू की ओर मोड़ दिया गया। यात्रियों को दूसरे विमान में स्थानांतरित करने की व्यवस्था की गई। हवाईअड्डे के अधिकारियों ने बताया कि यात्री टीआईए से दूसरे विमान से बेंगलुरु के लिए रवाना हो गए हैं।

गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में हिमस्खलन से 10 लोगों की मौत

कराची । पाकिस्तान के गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में हिमस्खलन की घटना में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और 25 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि गिलगित-बाल्टिस्तान के अस्तोर जिले के शंटर टॉप इलाके में हुए हिमस्खलन में जान गंवाने वाले 10 लोगों में तीन महिलाएं शामिल हैं। ?मिली जानकारी के अनुसार स्थानीय लोगों की मदद से बचाव अभियान शुरू किया गया। बाद में पाकिस्तानी सेना के जवान भी बचाव अभियान में शामिल हो गए। गिलगित-बाल्टिस्तान के प्रमुख सचिव मोहिउद्दीन वानी ने हिमस्खलन की घटना की पुष्टि की और कहा कि प्रभावित क्षेत्र में बचाव दल काम कर रहे हैं। गिलगित-बाल्टिस्तान के मुख्यमंत्री खालिद खुर्शीद खान ने हिमस्खलन में लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने स्थानीय अधिकारियों को बचाव अभियान में तेजी लाने का निर्देश भी दिया।

अफगानिस्तान व पाकिस्तान में भूकंप के जोरदार झटके, जम्मू-कश्मीर भी दहला

इस्लामाबाद । अफगानिस्तान और पाकिस्तान में जोरदार भूकंप का झटका आया है। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 6 बताई जा रही है। भूकंप का असर जम्मू- कश्मीर तक महसूस किय है। बताया जा रहा है कि इस भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान और ताजिकिस्तान की सीमा पर 223 किमी की गहराई में था। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के कई इलाकों के साथ-साथ भारत के जम्मू कश्मीर राज्य तक इस जोरदार भूकंप का असर महसूस किया गया। इस भूकंप की वजह से चीन, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और किर्गिस्तान के कई इलाकों में भी झटके महसूस किए गए हैं। हालांकि इस जोरदार भूकंप में अभी किसी के हताहत होने की खबर नहीं आई है। भूकंप के बाद लोग अपने घरों के बाहर आ गए और सुरक्षित स्थानों पर चले गए हैं। भारत में कश्मीर के अलावा पंजाब और हरियाणा में भी इसका असर महसूस किया गया है। यूरोपीय भूकंप केंद्र के मुताबिक इस भूकंप की तीव्रता 5.9 थी और इसका केंद्र अफगानिस्तान के दक्षिण पूर्व में स्थित फैजाबाद में था। यह भूकंप स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 10.19 पर आया। जानकारी के अनुसार पाकिस्तान में राजधानी इस्लामाबाद, पेशावर, लाहौर और अन्य शहरों में भूकंप का यह तेज झटका महसूस किया गया। कश्मीर में इस भूकंप की तीव्रता 5.2 मापी गई है। प्र?यक्षदर्शियों ने बताया कि भूकंप की वजह से काफी देर तक दीवारें हिलने लगी। इससे लोग घबरा गए और घरों से बाहर निकलकर खुले में शरण ली। अभी तक किसी भी देश में नुकसान की कोई खबर नहीं है। यह भूकंप अफगानिस्तान-ताजिकिस्तान की सीमा पर आया है जहां हिंदू कुश पहाड़ों की श्रेणियां मौजूद हैं। इस इलाके में अक्सर ही भूकंप आते रहते हैं। वैज्ञानिकों ने आगे भी इस इलाके में तेज भूकंप की चेतावनी दी है ताकि लोग सावधान हो जाएं।

महिला ने खुद को बॉर्बी डॉल बनाने का पाल लिया जुनून

- पूरे बॉडी की करा डाली सर्जरी

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया की रहने वाली जैज्मिन फॉरेस्ट को बचपन से ही बॉर्बी डॉल बहुत पसंद थी। महिला ने थोड़ी बड़ी होने पर खुद को ही बॉर्बी डॉल बनाने का जुनून पाल लिया है। इसके लिए चेहरे, गर्दन सहित शरीर के कई अंगों की सर्जरी कराई और आखिरकार खुद को बॉर्बी जैसा दिखाने में सफल भी रही। ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड की रहने वाली 25 वर्षीय फॉरेस्ट ने खुद को बदलने के लिए 1 लाख डॉलर यानी करीब 82 लाख रुपये फूंक दिए। इसके लिए कई बार प्लास्टिक सर्जरी से गुजरना पड़ा तो कई बार कॉस्मेटिक प्रोसीजर का इस्तेमाल किया गया। एक रिपोर्ट के मुताबिक, महज 18 साल की उम्र में फॉरेस्ट ने अपनी पहली प्लास्टिक सर्जरी कराई थी। लॉस एंजिल्स में जाकर उन्होंने अपने ब्रेस्ट का ऑगुमेंटेशन कराया और रियल लाइफ की बॉर्बी प्रिंसेज बन गईं। पिछले साल भी उन्होंने दूसरी बार अपने ब्रेस्ट का ऑगुमेंटेश कराया। ऐसा नहीं है कि सिर्फ ब्रेस्ट की प्लास्टिक सर्जरी कराई गई है, बल्कि फॉरेस्ट ने अपना ड्रीम पूरा करने के लिए पूरे बॉडी में एक दर्जन से ज्यादा सर्जरी कराई है। फॉरेस्ट का कहना है कि उनके साथ हुए बदलाव के बाद लोगों का व्यवहार भी उनके प्रति काफी बदल गया है। अब लोग उनकी तारीफ करते हैं और उन्हें अटेंशन देते हैं। फॉरेस्ट ने 18 साल की उम्र में ब्रेस्ट ऑग्युमेंटेशन कराने के साथ अपने होठों का फिलर भी कराया।

तेल अवीव में न्यायिक सुधारों के विरोध में इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतनयाहू और सरकार के खिलाफ पदर्शन करते हुए लोग।

दुष्प्रचार करने वाली फिल्में झूठ पर आधारित, जो लोगों को विभाजित करती हैं : कमल हासन

मुंबई । सिर्फ 'टैगलाइन' लगा देने से कोई फिल्म सच्ची कहानी नहीं बन जाती है। सुदीप्तो सेन द्वारा निर्देशित द केरल स्टोरी ने देश में राजनीतिक विमर्श का ध्रुवीकरण कर दिया है। इसमें दर्शाया गया है कि कैसे केरल की महिलाओं का धर्मांतरण कर उन्हें आतंकवादी समूह इस्लामिक स्टेट (आईएस) में शामिल होने के लिए मजबूर किया गया था। 'आईफा अवार्ड्स और वीकेंड' के मौके पर शनिवार को पत्रकारों से बात करते हुए बालीवुड के जाने-माने एक्टर कमल हासन ने कहा कि वह 'दुष्प्रचार' करने वाली फिल्मों के खिलाफ हैं, क्योंकि वे झूठ पर आधारित होती हैं जो देश के लोगों को विभाजित करती हैं। 'द केरल स्टोरी' से संबंधित विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए अभिनेता-फिल्म निर्माता ने कहा कि मैं दुष्प्रचार फिल्मों के खिलाफ हूं। अगर आप लोगो के तौर पर नीचे सच्ची कहानी लिख देते हैं तो यह पर्याप्त नहीं है। यह वास्तव में सच होनी चाहिए और यह सच नहीं है। पांच मई को रिलीज हुई फिल्म को पश्चिम बंगाल सरकार ने समुदायों के बीच तनाव के डर से प्रतिबंधित कर दिया था। हालांकि, बाद में उच्चतम न्यायालय ने इस पर से पश्चिम बंगाल में रोक हटा दी थी। तमिलनाडु के सिनेमाघरों ने कानून-व्यवस्था की स्थिति और दर्शकों की कम संख्या का हवाला देकर फिल्म का प्रदर्शन नहीं करने का फैसला किया था। फिल्म घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर चुकी है और कुछ राज्यों ने इसे कर मुक्त कर दिया है। हासन (68) ने फिल्म निर्माता मणिरत्नम की पोन्नियिन सेलवन-2 के बॉक्स ऑफिस पर प्रदर्शन की सराहना भी की।

भारत के साथ विज्ञान एवं नवोन्मेष के क्षेत्र में संबंध मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा यूके

लंदन (एजेंसी)। दक्षिण एशिया के लिए ब्रिटेन के विदेश मंत्री लॉर्ड तारिक अहमद चार दिवसीय यात्रा पर शनिवार को भारत पहुंचे और इस दौरान वह विज्ञान, अनुसंधान एवं नवोन्मेष के क्षेत्रों में संबंधों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। इस यात्रा में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवोन्मेष पर ध्यान केंद्रित करना विश्वभर में इन क्षेत्रों में साझेदारी को मजबूत करने की ब्रिटेन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। ब्रिटेन के विदेश कार्यालय ने कहा कि ब्रिटेन और भारत के संबंध मजबूत करना ब्रिटेन की विदेश नीति का अहम स्तम्भ है। लॉर्ड अहमद ने अपनी यात्रा से पहले कहा था, ''ब्रिटेन और भारत विश्वसनीय साझेदार है, जो हमारे देशों एवं लोगों को निकटता से जोड़ने वाले अनूठे पुल से जुड़े हुए हैं।''

उन्होंने कहा, ''भविष्य में भारत और ब्रिटेन के संबंधों के लिए 2030 रोडमैप की दिशा में काम करते हुए हम विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर अपने सहयोग को गहरा कर रहे हैं। दोनों देशों में नए नवोन्मेष ला रहे हैं।'' तारिक की यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब भारत और ब्रिटेन एक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत कर रहे हैं, जिससे व्यापारिक संबंध को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। दोनों देशों के बीच 2022 में 36 अरब ब्रिटिश पाउंड स्टर्लिंग का कारोबार हुआ था। एफटीए वार्ता का 10वां दौर पांच जून से नयी दिल्ली में शुरू होगा।

तारिक की राजस्थान की यात्रा दक्षिण एशिया के लिए ब्रिटेन के विदेश मंत्री के रूप में अपनी मां के जन्मस्थान जोधपुर की उनकी पहली यात्रा होगी। वह प्रतिष्ठित मेहरानगढ़ किले का दौरा करेंगे और महिला नेताओं के साथ शिक्षा, स्थिरता और लैंगिक समानता पर चर्चा करेंगे। तारिक नयी दिल्ली ब्रिटिश काउंसिल और माइक्रोसॉफ्ट इंडिया द्वारा सह-विकसित 'युवाओं के लिए अंग्रेजी दक्षता' कार्यक्रम की शुरुआत करेंगे, जो भारतीय युवाओं, विशेष रूप से युवा महिलाओं के लिए वैश्विक रोजगार के अवसरों को बढ़ाएगा। मंत्री भारत से स्वास्थ्य-प्रौद्योगिकी नवोन्मेषों को प्रोत्साहित करने के लिए 'यूके-इंडिया हेल्थ-टेक बूट कैंप' के विजेताओं की घोषणा करेंगे। तारिक अपनी यात्रा के अंत में हैदराबाद जाएंगे।

'इंडियन ओवरसीज कांग्रेस' ने प्रवासी भारतीयों को राहुल गांधी से बातचीत के लिए आमंत्रित किया

'इंडियन ओवरसीज कांग्रेस' ने एक प्रचारात्मक वीडियो जारी कर अगले महीने ''दूरदर्शी नेता'' राहुल गांधी की यात्रा के दौरान उनसे विशेष बातचीत करने के लिए भारतीय-अमेरिकी नागरिकों को आमंत्रित किया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी (52) का अगले सप्ताह तीन शहरों की यात्रा पर अमेरिका आने का कार्यक्रम है। उनकी यात्रा की शुरुआत सैन फ्रांसिस्को से होगी जहां वह प्रतिष्ठित स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में छात्रों से बातचीत करेंगे। वह एक संवाददाता सम्मेलन को भी संबोधित करेंगे और वॉशिंगटन डीसी में सांसदों एवं थिंक टैंक के साथ भी बैठकें करेंगे। उनकी सप्ताह भर चलने वाली यात्रा चार जून को न्यूयॉर्क में एक विशाल जनसभा के साथ खत्म होगी। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस ने शुक्रवार को एक प्रचारात्मक वीडियो जारी किया जिसमें गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' के दृश्य हैं। इस वीडियो में प्रवासी भारतीय नागरिकों को ''दूरदर्शी नेता के साथ खास बातचीत के लिए'' आमंत्रित किया गया है। यह बातचीत न्यूयॉर्क में जैविट्स सेंटर में होगी। वीडियो में 'भारत जोड़ो यात्रा' को राहुल की ''परिवर्तनकारी यात्रा'' बताया गया है और कहा गया है कि इसने लाखों लोगों के दिलों में अलख जलायी, लोगों को एक साथ लेकर आयी और देश को एकजुट किया। वीडियो संदेश में कहा गया है, ''यह प्राधिकारों से बहादुरी से सवाल पूछने और राष्ट्र की बदलती जरूरतों पर बात करने वाले नेता से मिलने का आपका मौका है।''

रूस रच रहा यूक्रेन के परमाणु संयंत्र पर हमले की साजिश

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन ने रूस पर परमाणु संयंत्र पर हमले की साजिश करने का दावा किया है। यूक्रेनी सेना की खुफिया इकाई ने बिना कोई सबूत दिये दावा किया है कि उसके देश के दक्षिणी हिस्से में स्थित उस परमाणु संयंत्र पर रूस हमले की साजिश रच रहा, जो अभी उसके कब्जे में है। यूक्रेनी रक्षा मंत्रालय के खुफिया निदेशालय की ओर से जारी बयान में दावा किया गया है कि रूसी सेनाएं यूरोप के सबसे बड़े जापोरिज्जिया परमाणु संयंत्र पर हमला करेंगी और इसके बाद रेडियोधर्मी लीक होने की जानकारी देंगी, ताकि एक अंतरराष्ट्रीय जांच शुरू हो जाए। निदेशालय की ओर से कहा गया कि रूस ऐसा युद्ध पर विराम लगाने के लिए करेगा, ताकि उसकी सेनाओं को पलटवार करने से पहले मोहलत मिल जाए, जिसकी उसे फिर से संगठित होने के लिए जरूरत है।

अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने 'एपी' को एक ईमेल के जवाब में बताया कि उसने आरोपों पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है और रूसी अधिकारियों ने भी यूक्रेनी दावों पर टिप्पणी नहीं की है। रूस ने शनिवार को अपनी धरती पर और हमले होने की जानकारी दी। जानकारी के अनुसार यूक्रेन के सीमावर्ती रूसी क्षेत्रों पर गोलाबारी की गई है। पसकोव के मिखाइल वेडर्निकोव ने कहा कि रूस के पश्चिमी पसकोव क्षेत्र में एक तेल कंपनी के प्रशासनिक भवन पर दो ड्रोन से हमला किया गया, इस क्षेत्र की सीमा बेलारूस, लातविया और एस्टोनिया से लगती है। स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि एक अन्य ड्रोन मास्को के उत्तर में लगभग 150 किलोमीटर (90 मील) दूर तेवर क्षेत्र में गिरा।

इमरान खान ने किया प्लान-बी तैयार, अयोग्य होने पर शाह महमूद चलाएंगे पीटीआई

इस्लामाबाद (एजेंसी)। इमरान खान ने एक बड़ा खुलासा करते हुए कहा है कि यदि कोर्ट ने उन्हें अयोग्य ठहराया तो पीटीआई को चलाने के लिए शाह महमूद कुरैशी तैयार रहेंगे। गौरतलब है कि इस वक्त इमरान खान भारी संकट का सामना कर रहे हैं। एक तरफ उन पर गिरफ्तारी और अयोग्यता की तलवार लटक रही है। ऐसे में उन्होंने प्लान-बी भी तैयार कर लिया है। पाकिस्तानी मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान खान ने कहा कि पीटीआई के उपाध्यक्ष शाह महमूद कुरैशी एक अदालत द्वारा खान की अयोग्यता के मामले में पार्टी का नेतृत्व करेंगे। खान ने शनिवार को लाहौर में अपने जमान पार्क आवास पर पत्रकारों और वकीलों के साथ एक बैठक में कहा कि अगर मैं अयोग्य ठहराया जाता हूं, तो शाह महमूद कुरैशी पार्टी चलाएंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पिछले साल अप्रैल में सत्ता से बेदखल किए जाने के बाद से पीटीआई प्रमुख भ्रष्टाचार से लेकर आतंकवाद तक के कई मामलों का सामना कर रहे हैं। खान को राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) के गिरफ्तारी वारंट के अनुपालन में रेंजर्स कर्मियों द्वारा 190 मिलियन पाउंड के अल-कादिर ट्रस्ट मामले में 9 मई को गिरफ्तार किया गया था। सुप्रीम कोर्ट द्वारा उनकी गिरफ्तारी को अवैध घोषित करने के बाद पीटीआई प्रमुख को रिहा कर दिया गया था। इमरान खान की 9 मई को गिरफ्तारी ने देश भर में हिंसक विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया, जिसमें समर्थकों ने देश भर में रक्षा और सार्वजनिक प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ और आग लगा दी। जब?कि शीर्ष नागरिक और सैन्य नेतृत्व वाली उच्च-स्तरीय राष्ट्रीय सुरक्षा समिति (एनएससी) ने सेना अधिनियम सहित संबंधित कानूनों के तहत दंगाइयों पर मुकदमा चलाने की कसम खाई।

तालिबान व ईरान की सीमा पर गोलीबारी, दो ईरानी व एक तालिबानी लड़ाके की मौत

-दोनों देशों के बीच हेलमंद नदी के पानी को लेकर बढ़ा विवाद

अगर तालिबानी नेताओं ने इशारा किया तो 24 घंटे में जीत लेंगे ईरान : कमांडर हामिद

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। तेहरान/काबुल (ईएमएस)। तालिबान और ईरान के बीच हेलमंद नदी के पानी को लेकर विवाद बढ़ता ही जा रहा है। दोनों देशों के बीच सीमा पर गोलियां चल रही हैं जिनमें दो ईरानी और एक तालिबानी लड़ाके की मौत हो गई है। कोई भी पक्ष पीछे हटने को तैयार नहीं है। तालिबान के एक कमांडर हामिद खोरासानी ने कहा है कि अगर तालिबानी नेताओं ने हमें मंजूरी दी तो हम 24 घंटे के भीतर ईरान पर जीत हासिल कर लेंगे। ईरान-अफगान सीमा पर बरस रहीं गोलियां और ये धमकियां इशारा करती हैं कि आने वाले दिनों में दोनों पक्षों के बीच तनाव और बढ़ सकता है।

तालिबानी कमांडर और पक्तिया प्रांत के अहमदाबाद जिले के पूर्व तालिबान गवर्नर अब्दुल हामिद खोरासानी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया गया है। वह कह रहा है कि तालिबान नेता हमें इजाजत देते हैं, तो हम ईरान पर जीत हासिल कर लेंगे। वहीं एक दूसरे वीडियो में दावा किया गया कि तालिबान ने निमरोज प्रांत में ईरानी बॉर्डर गार्ड्स के साथ झड़प के दौरान एक ईरानी चौकी पर कब्जा कर लिया है। इस महीने की शुरुआत में ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने तालिबान को हेलमंद नदी पर ईरान के जल क्षेत्र के अधिकारों का उल्लंघन नहीं करने की चेतावनी दी थी। रईसी की टिप्पणी ईरान में पानी के बारे में लंबे समय से जारी चिंताओं पर सबसे तीखी टिप्पणी थी।

हेलमंद नदी 1000 किमी से ज्यादा लंबी है और सीमा को पार करती हुई बहती है। अब यह नदी बिजली पैदा करने और कृषि भूमि की सिंचाई के लिए अफगानिस्तान की तरफ से बांधी जा रही है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, पिछले 30 वर्षों से ईरान में सूखा एक गंभीर संकट रहा है लेकिन पिछले एक दशक में यह समस्या और भी गंभीर हो गई है। ईरान मौसम विज्ञान संगठन का कहना है कि अनुमानित 97 प्रतिशत देश वर्तमान में किसी न किसी स्तर पर सूखे का सामना कर रहा है।

इमरान की पार्टी अपने गठन के 27 साल बाद सबसे मुश्किल वक्त का सामना कर रही

लाहौर (एजेंसी)। क्रिकेटर से राजनेता बने इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी अपने गठन के 27 साल बाद सबसे मुश्किल समय का सामना कर रही है। इस महीने की शुरुआत में सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमलों के मद्देनजर पीएमएल-एन के नेतृत्व वाली मौजूदा गठबंधन सरकार द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री की पार्टी पर पाबंदी लगाये जाने की संभावना है। सैन्य प्रतिष्ठानों द्वारा समर्थित एवं मुख्यधारा के दल--पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन), पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) और जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम पाकिस्तान-फजल (जेयूआई-एफ)--चरमपंथ और हिंसा को बढ़ाने देने को लेकर इमरान की पार्टी पर प्रतिबंध लगाने के पक्ष में हैं। रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने शुक्रवार को कहा था कि इमरान की पार्टी पर प्रतिबंध लगाने का विषय जल्द ही संसद में उठाया जाएगा।

आसिफ ने संवाददाताओं से कहा, ''संघीय सरकार के सभी गठबंधन सहयोगियों को इस मुद्दे पर साथ लाया जाएगा।'' इमरान ने 25 अप्रैल 1996 को लाहौर में पार्टी का गठन किया था, जो अब तक के सबसे मुश्किल समय का सामना कर रही है। पार्टी अपने गठन के बाद, पहले 15 वर्षों में संसद में एक छोटी पार्टी या एक सीट वाली पार्टी रही थी। इमरान ने 2002 के आम चुनाव में पंजाब जिले में अपने गृहनगर मियांवाली से नेशनल असेंबली चुनाव जीता। उनकी पार्टी ने यही एकमात्र सीट जीती थी। इसके बाद, इमरान की पार्टी ने 2008 के चुनावों का बहिष्कार करते हुए कहा था कि वह सैन्य तानाशाह जनरल परवेज मुशर्रफ के तहत चुनाव नहीं लड़ेगी। हालांकि, इसके बाद पार्टी के लिए ऐतिहासिक क्षण आया, जब 30 अक्टूबर 2011 में लाहौर के मीनार-ए-पाकिस्तान में आयोजित जलसा (सार्वजनिक बैठक) में हजारों लोग खासकर युवा और महिलाएं बड़ी संख्या में शामिल हुईं।

न ने कहा कि उस रैली ने पार्टी में नई जान फूंक दी और 15 साल के संघर्ष के बाद उसे एक मजबूत राजनीतिक ताकत के रूप में पहचान मिली। खान ने अपने आंदोलन की तुलना पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना के (पाकिस्तान आंदोलन) से की। वह इसे नए पाकिस्तान के लिए संघर्ष कहेंगे। हालांकि, उनके राजनीतिक आलोचक तत्कालीन आईएसआई (इंटर सर्विसेज इंटेलीजेंस) प्रमुख जनरल शुजा पाशा को ''पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ में नयी जान फूंकने और इसके लिए प्रचार'' करने का श्रेय देते हैं। इमरान खान के नेतृत्व में पार्टी ने ''चोर और भ्रष्ट'' के नारे के साथ अपने राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाना शुरू किया और भ्रष्टाचार के खिलाफ एक अभियान छेड़ा। उनके नेतृत्व में पार्टी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के खिलाफ 2013 की चुनावी धांधली को लेकर पद छोड़ने के लिए उन पर दबाव डालने के लिए 2014 में इस्लामाबाद में 126 दिन तक धरना दिया था। वहीं, 2018 के चुनाव में इमरान की पार्टी पहली बार केंद्र में सत्ता में आई।

चुनाव से पहले 60 से अधिक शीर्ष नेता पार्टी में शामिल हो गए थे। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) ने सेना पर इन नेताओं को इमरान की पार्टी का साथ देने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया था। हालांकि, इमरान के सैन्य नेतृत्व के साथ संबंध मुख्य रूप से आईएसआई प्रमुख नदीम अंजुम की नियुक्ति के साथ बिगड़ते चले गए। बाद में, उन्हें अप्रैल 2022 में अविश्वास प्रस्ताव के जरिए प्रधानमंत्री पद से हटा दिया गया। अपने निष्कासन के बाद खान ने सेना विरोधी एक अभियान शुरू किया, जिसे देश में सैन्य प्रतिष्ठानों पर नौ मई के हमलों के पीछे का मुख्य कारण बताया जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि सैन्य प्रतिष्ठान ने अब सैद्धांतिक रूप से इमरान खान और उनकी पार्टी को ''खत्म'' करने का फैसला किया है, ताकि उसे राजनीति से बाहर किया जा सके।

राजनीतिक विश्लेषक जाहिद हुसैन ने कहा कि नौ मई की घटनाओं ने देश के राजनीतिक परिदृश्य को बदल दिया है, जिससे इमरान की पार्टी और सुरक्षा प्रतिष्ठान के बीच गतिरोध चरम पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा, ''शायद खान का मानना था कि सड़कों पर ताकत दिखाकर सैन्य प्रतिष्ठान को पीछे हटने के लिए मजबूर किया जा सकता है। उन्होंने उन पर हुए हमले के लिए सेना प्रमुख को जिम्मेदार ठहराया था। उन्होंने सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर पर सत्ता हासिल करने के उनके रास्ते में बाधा डालने की कोशिश करने का आरोप लगाया है।'' हिंसा के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने हाल में इमरान की पार्टी के समर्थकों पर कड़ी कार्रवाई की है। रक्षा विश्लेषक डॉ. हसन अस्करी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि भले ही इमरान की पार्टी पर अब तक प्रतिबंध नहीं लगाया गया हो, लेकिन कई नेताओं के उसका साथ छोड़ने और पूर्व प्रधानमंत्री के भविष्य को लेकर अनिश्चितताओं के बीच पार्टी अगले चुनाव में अप्रासंगिक हो सकती है।

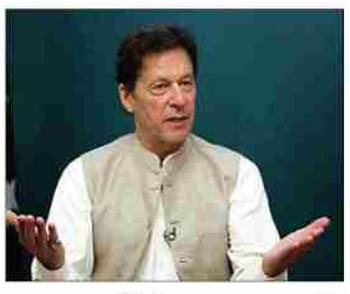

जूनियर एशिया कप के लिए भारतीय महिला टीम जापान रवाना

बंगलुरू। भारतीय महिला हॉकी टीम जूनियर एशिया कप 2023 के लिए रविवार सुबह केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से रवाना हो गई। जूनियर एशिया कप एफआईएच जूनियर विश्व कप के लिए क्वालीफाइंग इवेंट है, जो जापान के काकामीगहारा में 2 जून से शुरू होने वाला है। ग्रुप चरण के दौरान पूल ए में भारत का सामना कोरिया, मलेशिया, चीनी ताइपे और उज्बेकिस्तान से होगा जबकि पूल बी में मेजबान जापान, चीन, कजाकिस्तान, हांगकांग चीन और इंडोनेशिया शामिल हैं। वे 3 जून को उज्बेकिस्तान के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेंगे और उसके बाद 5 जून को मलेशिया के खिलाफ मैच खेलेंगे। वे 6 जून को कोरिया और 8 जून को चीनी ताइपे से भिड़ेंगे। सेमीफाइनल 10 जून को होगा जबकि फाइनल 11 जून को खेला जाएगा। उपकप्तान दीपिका के साथ कप्तान प्रीति भारत के अभियान की अगुआई करेंगी और टीम में ऐसी खिलाड़ी भी शामिल हैं जिन्हें सीनियर टीम के साथ खेलने का अनुभव है। प्रीति ने कहा, हम अपने अभियान को लेकर बहुत आश्वस्त हैं। हमारे पास एक अच्छी, अनुभवी टीम है। हमने पिछले कुछ महीनों में कड़ी मेहनत की है और टीम जापान में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए काफी उत्साहित है। रवाना होने से पहले उपकप्तान दीपिका ने कहा, हमने एक ही कैंपस में सीनियर टीम साथ प्रशिक्षण लिया है। हमारी टीम भी कुछ समय के लिए एक साथ कैंपस में रही है, इसलिए टीम की अच्छी बॉन्डिंग है और हम अपनी ताकत और कमजोरियों को जानते हैं। उन्होंने आगे कहा, आमतौर पर इस टूनामेंट में, भारत ने हमेशा अच्छा प्रदर्शन किया है और हम उसे जारी रखना चाहेंगे। हमारा पहला मकसद ग्रुप चरण में शीर्ष पर रहना है और फिर नॉकआउट चरण में एक बार में एक मैच जीतना है।

जूनियर एशिया कप : भारत-पाक मुकाबला बराबरी पर रहा

सलालाह ।

भारत और पाकिस्तान के बीच जूनियर एशिया कप हॉकी में पूल एक का तीसरा मैच 1-1 से बराबरी पर रहा। इस टूर्नामेंट में अब तक भारतीय टीम एक मैच भी नहीं हारी है। इस मैच में शारदानंद तिवारी ने 24वें मिनट में एक गोल करके भारतीय टीम को बढ़त दिलायी पर ये अधिक देर तक बनी नहीं रह पायी।बशारत अली ने 44वें मिनट में एक गोल कर पाक को बराबरी पर ला दिया। इस मैच के ड्रॉ रहने से भारत के अब तीन मैचों में कुल सात अंक हो गए हैं और वह पूल ए में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। वहीं पाक के भी सात अंक हैं पर वह बेहतर गोल अंतर के कारण पहले स्थान पर है। वहीं जापान तीन मैचों में छह अंक के साथ ही तीसरे स्थान पर है। पाक के खिलाफ मैच में भारतीय टीम ने शुरूआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और इससे उसे पेनल्टी कॉर्नर भी मिले पर वह उन्हें गोल में नहीं बदल पायी। वहीं दूसरी ओर पाक को भी कुछ अवसर मिले पर वह भी गोल करने में नाकाम रही। पहला क्वार्टर गोल रहित छूटने के बाद शारदानंद ने दूसरे क्वार्टर में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत को बढ़त दिला दी। इसके बाद भारतीय टीम ने कई हमले किये पर वह अपने प्रयासों को गोल में नहीं बदल पायी। पाक टीम ने भी गोल करने के कुछ प्रयास किये इसी के तहत ही बशारत ने एक गोल कर स्कोर को 1-1 से बराबरी पर ला दिया। इसके बाद चौथे क्वार्टर में दोनो ही टीमों ने आक्रामक रुख अपनाया पर वह अवसरों को गोल में नहीं बदल पायी।

विराट कोहली की धुंआधार बल्लेबाजी का गवाह बनेगा डब्ल्यूटीसी फाइनल

नई दिल्ली ।

इस बार विराट कोहली की धुंआधार बल्लेबाजी का गवाह डब्ल्यूटीसी का फाइनल मैच बनेगा। इसके लिए विराट जमकर नेट प्रे क्टिस कर रहे हैं। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली आईपीएल से हटते ही टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल को टारगेट कर चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया और भारत की टीमें 7 जून को आमने-सामने होंगी। विराट की फॉर्म ऑस्ट्रेलिया के सामने दीवार बन सकती है। हालांक आईपीएल में कोहली के बल्ले की आग देख कंगारू टीम उन्हें टारगेट करना चाहेगी। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में भी कोहली ने एक पहाड़ जैसी पारी खेल ऑस्ट्रेलिया को विकेट के लिए तरसा दिया था। आईपीएल में कोहली की फॉर्म की बात करें तो इस सीजन वह काफी आक्रामक नजर आए हैं। विराट ने एक के बाद एक फिफ्टी लगाई, उसके आरसीबी के लिए बैक-टू-बैक सेंचुरी लगाकर कई रिकॉर्ड्स ध्वस्त कर दिए। उनके बल्ले से 6 अर्धशतक जबकि 2 ताबड़तोड़ शतकीय पारियां देखने को मिली। हालांकि, कोहली आरसीबी को प्लेऑफ में पहुंचाने में कामयाब नहीं हो सके। लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि फाइनल में कोहली की फॉर्म कंगारुओं के लिए मुसीबत बन सकती है। विराट कोहली ने सोशल मीडिया पर अपनी 2 फोटो शेयर की, जिसमें से एक में कोहली नेट्स में प्रैक्टिस करते नजर आ रहे हैं। बॉर्डर गासवस्कर ट्रॉफी के चौथे मुकाबले में विराट कोहली ने टेस्ट में शतकों का सूखा खत्म किया। उन्होंने इस दौरान 364 गेंद में 15 चौकों की मदद से 186 रन की विशालकाय पारी खेली थी। अब देखना होगा कोहली का बल्ला इंग्लैंड में रन उगलने में कामयाब होता है या नहीं। लंबे प्रारूप में कोहली के बैट से 6 डबल सेंचुरी निकल चुकी हैं। उन्होंने साल 2016 में टेस्ट में 3 दोहरे शतक जमाए थे।

यशस्वी डब्ल्यूटीसी मुकाबले के लिए ऋतुराज की जगह शामिल किये गये

मुम्बई ।

आईपीएल के इस 16 वें सत्र में अपने शानदार प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचने वाले राजस्थान रॉयल्स के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को अगले माह जून में होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) मुकाबले के लिए भारतीय टीम में जगह मिल गयी है। बीसीसीआई ने डब्ल्यूटीसी के लिए भारतीय दल के साथ ही स्टैंडबाय खिलाड़ियों की सूची भी जारी की थी। उसी में शामिल स्टैंडबाय खिलाड़ी ऋतुराज गायकवाड़ अगले महीने की शुरुआत में अपनी शादी के कारण इस खिताबी मुकाबले में शामिल नहीं होंगे। ऐसे में उनकी जगह पर यशस्वी जायसवाल को शामिल किया गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार इसी कारण बीसीसीआई ने यशस्वी को लाल गेंद से अभ्यास के लिए भी कहा है। यशस्वी के पास उनके पास पहले से ही इंग्लैंड का वीजा है, इसलिए वे कुछ दिनों में लंदन रवाना होंगे।इस युवा बल्लेबाज ने आईपीएल के इस सत्र में रॉयल्स की ओर से 14 मैचों में 625 रन बनाए जबकि रणजी ट्रॉफी में उन्होंने पांच मैचों में 404 रन बनाए थे।बीसीसीआई ने शुरू में ऋतुराज को डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए स्टैंड-बाय ओपनर के रूप में चुना था पर अब ऋतुराज ने । बीसीसीआई को बताया है कि वह 5 जून के बाद टीम में शामिल हो सकते हैं पर कोच राहुल द्रविड़ ने एक विकल्प की मांग की जिसके बाद यशस्वी को जगह मिली। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा कि यशस्वी भारतीय टीम में शामिल होंगे क्योंकि गायकवाड़ ने हमें सूचित किया है कि वह अपनी शादी के कारण इंग्लैंड नहीं जा पाएंगे। वह 5 जून के बाद टीम में शामिल हो सकेंगे।

पीएसजी को मिला 11वां खिताब, मेसी ने रोनाल्डो का रिकार्ड तोड़ा

पेरिस ।

पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने फ्रांसीसी फुटबॉल लीग में 11वां खिताब अपने नाम किया है। इस मैच में पीएसजी की ओर से स्टार खिलाड़ी लियोनन मेसी ने एक गोल कर शीर्ष पांच लीग में सबसे ज्यादा गोल करने के क्रिस्टियानो रोनाल्डो के रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। पीएसजी का मुकाबला स्ट्रासबर्ग के खिलाफ मैच में 1-1 से ड्रॉ रहा। इस जीत से पीएसजी के अब 37 मैचों में सबसे ज्यादा 85 अंक हो गए हैं। वहीं दूसरे नंबर पर रही लेंस के 37 मैचों में 81 अंक हैं और अब केवल एक दौर के मैच होने शेष हैं। मेसी ने इस मैच के 59वें मिनट में अपनी टीम पीएसजी की ओर से एक गोल करके उसे 1-0 की बढ़त दिलायी। वहीं स्ट्रासबर्ग की ओर से स्ट्राइकर केविन गामेरो ने 79वें मिनट में एक गोल दाग कर स्कोर 1-1 से बराबरी पर ला दिया। मेसी ने इस मैच में यूरोप के लीग मैचों में 496वां गोल करने के साथ ही रोनाल्डो के रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया।

लेंस ने एक अन्य मैच में अजाशियो को 3-0 से हराकर दूसरा स्थान हासिल किया। इससे उसने अगले सत्र में होने वाली चैंपियंस लीग के लिए भी अपनी जगह पक्की की। पीएसजी ने इस खिताब के साथ ही फ्रांस की सैंट एटीने टीम के 10वां के रिकार्ड को भी पीछे छोड़ दिया।

सहवाग ने आईपीएल सत्र के शीर्ष पांच बल्लेबाजों में यशस्वी , रिंकू जैसे युवाओं को शामिल किया

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में अनुभवी के साथ ही युवा क्रिकेटरों ने ही शानदार पारियां खेली हैं। साथ ही कहा कि आईपीएल के इस 16 वें सत्र के नायक युवा बल्लेबाज यशस्वी जायस्वाल और रिंकू सिंह जैसे खिलाड़ी हैं। सहवाग ने पांच ऐसे खिलाड़ी चुने है, जिनको वह इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज मानते हैं। सहवाग ने अपनी इस सूची में फाफ डु प्लेसी और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को भी शामिल नहीं किया है। उनका मानना है कि शुरुआती बल्लेबाजों को रन बनाने के काफी अवसर मिलते हैं, इसलिए उन्होंने अपनी इस सूची में एक ही सलामी बल्लेबाज को जगह दी है। सहवाग ने इस सत्र के अपने शीर्ष-पांच सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज चुने हैं। उन्होंने रिंकू , शिवम, जायसवाल, सूर्यकुमार और क्लासेन को इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज चुना है। सहवाग ने कहा, मेरे पांच पांडव, क्रिकेट के पांडव। इस सत्र के आईपीएल के मेरे पसंदीदा पांच बल्लेबाजों में मैं ज्यादा सलामी बल्लेबाजों को नहीं चुन रहा हूँ, क्योंकि उनको पारी की शुरुआत करते हुए रन बनने के बहुत से अवसर मिलते है। मेरे ध्यान में पहला नाम रिंकू सिंह का आता है। आपके ध्यान में ऐसा खिलाड़ी नहीं आएगा, जिसने लगातार पाँच छक्के लगाकर अपनी टीम को जीत दिलाई हो। एकमात्र बल्लेबाज रिंकू ने ऐसा किया है। वहीं दूसरे नंबर पर मध्य क्रम के बल्लेबाज शिवम दुबे है। सहवाग ने साथ ही कहा , इसमें तीसरे बल्लेबाज के तौर पर एक सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को जगह दी है। इसके बाद सूर्यकुमार यादव का नाम आत है। वहीं पांचवें नंबर पर हेनरिक क्लासेन हैं। रिंकू ने 14 मैच, 474 रन बनाय हैं और उनका औसत 59.25, स्ट्राइक रेट 149.53 रहा है। यशस्वी जायसवाल ने 14 मैच, 625 रन बनाये हैं और उनका औसत 48.08, स्ट्राइक रेट 163.61 रन रहा है। शिवम दुबे ने 15 मैच, 386 रन बनाये हैं और उनका औसत 35.09, स्ट्राइक रेट 158.05 रन रहा है। सूर्यकुमार यादव के 16 मैच में 605 रन के साथ ही औसत 43.21 और स्ट्राइक रेट 181.14 रहा है। हेनरिक क्लासेन के 12 मैच में 448 रन और उनका औसत 49.78 व स्ट्राइक रेट 177.08 रन है।

गावस्कर ने शुभमन की जमकर प्रशंसा की

अहमदाबाद । महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने युवा बल्लेबाज शुभमन गिल की जमकर प्रशंसा की है। शुभमन ने इस साल आईपीएल में 16 मैचों में 60.79 की औसत से 851 रन बनाए। साथ ही उन्होंने आखिरी चार मैचों में तीन शतक बनाए हैं। आरसीबी के खिलाफ आया दूसरे क्वालीफायर में शुभमन ने शानदार शतक लगाया था। तेंदुलकर ने अपने ट्वीट में कहा कि इस युवा बल्लेबाज के लिए सत्र अद्भुत रहा है। तेंदुलकर ने कहा कि शुभमन की बल्लेबाजी के बारे में जिस चीज ने उन्हें सबसे ज्यादा प्रभावित किया, वह उनका स्वभाव, अटूट शांति, रनों की भूख और विकेटों के बीच दौड़ने की समझ। सचिन ने आगे लिखा, अधिक स्कोर वाले मुकाबलों में हमेशा निर्णायक पल होते हैं। 12वें ओवर से शुभमन की असाधारण पारी ने गुजरात टाइटंस को प्रेरित किया। यह स्कोर को आगे बढ़ाने और उस पर गहरा प्रभाव डालने की उनकी क्षमता का प्रदर्शन था। इसी तरह मुंबई ने तिलक वर्मा की मोहम्मद शमी के एक ओवर में 24 रनों की तूफानी पारी ने मैच में जान डाल दिया था। सूर्यकुमार जब तक आउट नहीं हुए थे तब तक गेम मुंबई के पक्ष में था।

कोहली, धोनी और रोहित की तरह खेलेंगे शुभमनः रैना

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह आने वाले समय में एक बेहतरीन बल्लेबाज बनकर विराट कोहली, महेन्द्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा की तरह खेलेंगे। पहले क्वालीफायर में शुभमन ने 129 रनों की शानदार पारी खेली थी। रैना ने इसके साथ ही यह भी कहा कि मुंबई इंडियंस के खिलाफ शुभमन की बॉडी लैंग्वेज और मनोबल काफी उंचे स्तर का था। रैना ने कहा, हमने जो शांति देखी। इतने बड़े मैच में उनकी बॉडी लैंग्वेज बहुत अहम रही है। मैच में बाद में उन्होंने जो छक्के मारे, जिन्हें हम पिक-अप शॉट कहते हैं। उन्होंने कुमार कार्तिकेय को एक छक्का मारा और उसके बाद उन्हें एहसास हुआ कि वह कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा, मुझे उनकी बॉडी लैंग्वेज, उनका आत्मविश्वास पसंद आया। जिससे लगता है कि शुभमन को बड़े मैचों में खेलने की आदत पड़ गई है। इससे तय है कि वह भविष्य में एक बेहतर बल्लेबाज बनकर उभरेंगे।

संक्षिप्त समाचार

ऑरेंज-पर्पल कैप पर गुजरात के खिलाड़ियों को ही मिलेगी

अहमदाबाद । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 16 वें सत्र में सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज और सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप गुजरात टाइटन्स के खिलाड़ियों को मिलनी तय है। बल्लेबाजी में शुभमन के 851 रन हैं, वहीं सीएसके के बल्लेबाज डेवोन कॉनवे के कुल 625 रन जबकि ऋतुराज गायकवाड़ के कुल 564 रन बनाए हैं। ऐसे में इन दोनों का ही ऑरेंज कैप की दौड़ में शुभमन से आगे निकलना संभव नहीं है। बात अगर पर्पल कैप की रेस में गुजरात के मोहम्मद शमी 28 विकेट के साथ सबसे आगे चल रहे हैं। वहीं गुजरात के ही स्पिनर राशिद खान के खाते में 27 विकेट हैं, जबकि मोहित शर्मा ने 24 विकेट लिए हैं। 21 विकेट के साथ इस सूची में सीएसके के तुषार देशपांडे छठे नंबर पर हैं, जबकि रविंद्र जडेजा 19 विकेट के साथ आठवें पायदान पर हैं। ऐसे में गुजरात के गेंदबाजों को ही शीर्ष पर आना तय है।

जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच में गेंद से छेड़छाड़ के लिए विवादों में आई पाक टीम

हरारे । जिम्बाब्वे के खिलाफ अंतिम मैच में गेंद से जमकर छेड़छाड़ करने को लेकर पाकिस्तान क्रिकेट टीम विवादों में घिर गयी है। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी ने जिम्बाब्वे के खिलाफ अंतिम मैच में जमकर गेंद से छेड़छाड़ की जिसके कारण मेजबान टीम को 5 रन पेनेल्टी के तौर पर दिए गए। इस घटना ने सभी का ध्यान खींचा है। यह घटना मैच के 34वें ओवर की है उस समय गेंदबाजी आमेर जमाल कर रहे थे, ओवर की अंतिम गेंद पर अंपायर ने गेंद से छेड़छाड़ के कारण पाक पर 5 रन की पेनेल्टी लगाई। अब इस मामले में आगे की कार्रवाई मैच रैफरी करेंगे। इस मैच में पाक गेंदबाज शाहीन ने जिम्बाब्वे के खिलाफ टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया था। जिम्बाब्वे ने एर्विन की 195 रनों की तेज पारी के बल पर 385 रन लगाए दिए। एर्विन ने अपनी पारी में 148 गेंदों पर 22 चौके और 6 छक्के लगाए थे। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए पाक टीम 353 रनों पर ही सिमट गई और उसे 32 रनों से हार का सामना करना पड़ा। पाक की ओर से मुबासिर ने शतक लगाया पर वह अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाये।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया ए को हराया

एडिलेड ।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के पांचवें और अंतिम मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया 'ए को 2-1 की हरा दिया। भारत की ओर से नवनीत कौर ने 10वें और दीप ग्रेस एक्का ने 25वें मिनट में गोल किये। वहीं दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया 'ए की ओर से एकमात्र गोल एबिगेल विल्सन ने 22 वें मिनट में दागा। ऑस्ट्रेलिया 'ए ने इस मैच में आक्रामक रुख अपनाने हुए शुरुआत में गेंद पर नियंत्रण बनाये रखा। भारतीय टीम की ओर से रक्षापंक्ति में गुरजीत कौर की अहम भूमिका रही। भारत ने शुरुआत में ही ऑस्ट्रेलिया ए की रक्षापंक्ति पर दबाव बनाये रखा। इसका लाभ भी भारतीय टीम को मिला और नवनीत कौर ने रिवर्स हिट के साथ पहला गोल कर भारतीय टीम को आगे कर दिया। वहीं इसके बाद भारतीय टीम ने दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में ही तेजी दिखायी। इस दौरान ऑस्ट्रेलिया 'ए ने तेजी से हमले शुरु कर दिये। ऑस्ट्रेलिया'ए को दूसरे क्वार्टर के बीच में ही पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला। एबिगेल ने जोरदार ड्रैगफ्लिक के साथ इस पेनल्टी को गोल में बदलकर स्कोर 1-1 से बराबरी पर ला दिया। इसके कुछ देर बाद ही भारत के दीप ग्रेस एक्का ने पेनल्टी कार्नर पर अपनी ड्रैगफ्लिक से एक ओर गोल दागकर भारतीय टीम को आगे कर दिया। वहीं वंदना कटारिया ने हाफ टाइम के बाद बायीं ओर से आक्रमण करते हुए भारत को एक और पेनल्टी कार्नर दिलाया। इस बार ऑस्ट्रेलिया 'ए की टीम ने अच्छा बचाव किया। इसके बाद चौथे क्वार्टर में भी ऑस्ट्रेलिया 'ए दबाव में रही। भारतीय टीम ने मैच के अंतिम क्षणों में एक पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया पर वह उसे गोल में नहीं बदल पायी। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ए ने भी काफी प्रयास किये पर वह नाकाम रही।

हमारी योजनाएं चुनावी नहीं, राज्य को देशभर में अग्रणी बनाना है : सीएम गहलोत

नागौर, 28 मई (एजेन्सी)। महंगाई राहत कैंपों का निरीक्षण करने के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अलग-अलग जिलों का लगातार दौरा कर रहे हैं। रविवार 28 मई को वे नागौर जिले के दौरे पर रहे। नागौर के मौलासर में महंगाई राहत कैंप का निरीक्षण करने के बाद वे किसान महासम्मेलन में पहुंचे। इस दौरान अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि महंगाई राहत कैंप में जिन 10 योजनाओं के गारंटी कार्ड दिए जा रहे हैं, ये योजनाएं कोई चुनाव के हिसाब से नहीं है, बल्कि परमानेंट हैं। भविष्य में चाहे किसी भी पार्टी की सरकार बने। इन 10 योजनाओं का लाभ सरकारों को देना ही पड़ेगा। उन्होंने कहा कि चिरंजीवी स्वास्थ्य योजना, चिरंजीवी दुर्घटना बीमा योजना, घरेलू उपभोक्ताओं को 100 यूनिट मुफ्त बिजली, किसानों को 2000 यूनिट मुफ्त बिजली, कामधेनू योजना, मनरेगा में 25 दिन का अतिरिक्त रोजगार, शहरी रोजगार योजना में 125 दिन का रोजगार, उज्वला योजना के लाभार्थियों को 500 रुपए में गैस सिलेंडर, सामाजिक सुरक्षा के लिए दी जाने वाली न्यूनतक पेंशन 1000 रुपए और अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजनाओं का लाभ प्रदेश के हर लाभार्थी को हमेशा मिलता रहेगा।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक बार फिर केन्द्र सरकार के समक्ष यह मांग उठाई है कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन पूरे देश में लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि देश के हर परिवार को सामाजिक सुरक्षा पेंशन देना सरकार का दायित्व है। दुनिया के कई मुल्कों में हर परिवार को पेंशन दी जा रही है। भारत दुनिया की इकोनॉमी में छठे और सातवें पायदान पर पहुंच गया है। ऐसे में केन्द्र सरकार को सामाजिक सुरक्षा पेंशन लागू करना चाहिए। सीएम गहलोत ने कहा कि देश में करोड़ों परिवार ऐसे हैं, जो मजदूरी करके अपना गुजारा करते हैं। मजदूर और ठेला लगाने वाले लोग रोज कमाते हैं और रोज खाते हैं। ऐसे लोग वृद्धावस्था में कैसे गुजारा करेंगे। इस बारे में केन्द्र सरकार को सोचना चाहिए। राजस्थान सरकार बुजुर्गों, एकल महिलाओं, विधवाओं, निशक्तजनों सहित अलग अलग श्रेणियों में 1 करोड़ लोगों को पेंशन दे रही है। गहलोत ने पेंशन राशि बढ़ाने का संकेत देते हुए कहा कि पहले 500 रुपए पेंशन मिलती थी जिसे बढ़ाकर 750 रुपए किया गया था। अब 750 से बढ़ाकर 1000 रुपए पेंशन कर दी गई है। गहलोत ने कहा कि पेंशन की 1000 रुपये की राशि भी बहुत कम है। अगली बार सत्ता में आए तो इस राशि को 1000 से बढ़ा कर 1500 रुपए करेंगे।

सीएम गहलोत ने कहा कि 35-40 साल तक सरकारी सेवा में रह कर सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों के लिए राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। राजस्थान सरकार ने ओल्ड पेंशन स्कीम (ओपीएस) को बहाल किया। सीएम गहलोत ने कहा कि ओपीएस लागू करके सरकार कोई अहसान नहीं कर रही बल्कि यह तो सरकार की ड्यूटी है। उन्होंने कहा कि ओपीएस को किसी भी कीमत में रिवर्स नहीं होने देंगे। राजस्थान के बाद देश के कई राज्य ओपीएस लागू करने के लिए आगे आए हैं और कुछ राज्यों ने ओपीएस लागू भी कर दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब केन्द्र सरकार को भी मजबूर होकर ओपीएस लागू करने पड़ेगा क्योंकि हमने पूरा दबाव बना रखा है। इस दबाव का असर यह हुआ कि एनपीएस और ओपीएस को लेकर केन्द्र सरकार को वित्त सचिव की अध्यक्षता में कमेटी का गठन करना पड़ा है। यह कमेटी कोई नया रास्ता निकालने का का प्रयास कर रही है।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन की शुरुआत में कहा कि कुचामन डीडवाना को नया जिला घोषित करने के बाद वे पहली बार यहां आए हैं। नागौर जिला मुख्यालय एक छोर पर है, जबकि बाकि सभी तहसीलें दूसरी तरफ है। ऐसे में लोगों को जिला मुख्यालय में जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ता था। इसलिए यहां के जनप्रतिनिधियों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए डीडवाना कुचामन को नए जिले के रूप में गठन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में अब 33 से बढ़कर 50 जिले हो जाएंगे तो विकास में तेजी आएगी। नये जिले बनने से प्रशासनिक विकेन्द्रीकरण होता है। जब जिले होंगे तब कलेक्टर और एसपी पूरे जिले पर आसानी से ध्यान दे पाएंगे। इससे विकास की रफ्तार बढ़ेगी।

नई संसद भारत को प्रगति की नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 28 मई (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को नए संसद भवन का उद्घाटन किया और आशा जताई की कि यह प्रतिष्ठित इमारत सशक्तिकरण का उद्गम स्थल होगी, और भारत को प्रगति की नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी।

पीएम मोदी ने नए संसद भवन के उद्घाटन की तस्वीरों के साथ एक ट्वीट में कहा, भारत की संसद के नए भवन का उद्घाटन किया गया है। हमारे दिल और दिमाग गर्व, आशा और वादे से भरे हुए हैं। यह प्रतिष्ठित इमारत सशक्तिकरण का उद्गम स्थल हो, सपनों को प्रज्वलित करे और उन्हें वास्तविकता में पोषित करे। यह हमारे महान राष्ट्र को प्रगति की नई ऊंचाई पर ले जाए।

संसद परिसर में 'पूजा' और 'हवन' करने के बाद मोदी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के साथ नए संसद भवन का उद्घाटन किया। उन्होंने नए भवन में लोकसभा अध्यक्ष की कुर्सी के पास ऐतिहासिक 'सेंगोल' भी स्थापित किया।

नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह के दौरान कई मंत्री और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कांग्रेस सहित बीस विपक्षी दलों ने नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह का बहिष्कार किया है। विपक्ष ने भाजपा पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को आमंत्रित नहीं करने का आरोप लगाया और इसे भारत के पहले आदिवासी राष्ट्रपति का अपमान बताया है।

इससे पहले लोकसभा अध्यक्ष की कुर्सी के पास ऐतिहासिक 'सेंगोल' स्थापित करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नए संसद भवन का उद्घाटन किया।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ प्रधानमंत्री ने नए संसद भवन के उद्घाटन को चिह्नित करने के लिए पट्टिका का अनावरण भी किया। साथ ही नए संसद भवन के निर्माण और विकास में शामिल कार्यकर्ताओं को शॉल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया।

प्रधानमंत्री से सम्मान पाने वाले कर्मियों में पश्चिम बंगाल के सुंदरबन के सत्य रंजन दास भी शामिल हैं। दास ने निर्माण स्थल पर श्रमिकों के लिए पानी और भोजन की व्यवस्था की थी।

मोदी ने ओडिशा के चांदीपुर के पुरंजन दलाई और राजस्थान के बाड़मेर के किशनलाल को भी सम्मानित किया, जिन्होंने नए भवन की लॉबी के डिजाइन पर काम किया था।

वड़ोदरा से देवलाल सुखार और बिहार से अनिल कुमार यादव ने संसद की बाहरी दीवार पर बलुआ पत्थर लगाने का काम किया; पूर्वोत्तर के सुब्रत सूत्रधर ने बांस लगाने का काम किया; झारखंड के मुजफ्फर खान ने मैकेनिक के रूप में काम किया और निर्माण के दौरान सभी मशीनों को चालू रखा; दिल्ली के धर्मेंद्र ने गैस वेल्डिंग का काम किया; और वाराणसी के आनंद विश्वकर्मा ने नए भवन में दोनों कक्षों की छत और कुर्सियों का काम किया।

नए भवन का शिलान्यास समारोह दिसंबर 2020 में पीएम मोदी द्वारा किया गया था और रविवार को इसका उद्घाटन किया गया।

उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और कैबिनेट मंत्रियों के साथ नए संसद भवन में 'सर्व-धर्म' (सर्व-धार्मिक) प्रार्थना समारोह में भाग भी लिया।

बता दें समारोह की शुरुआत सुबह हवन से हुई। इस अवसर पर 25 राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि और मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। समारोह में केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह, एस. जयशंकर और जितेंद्र सिंह, कई राज्यों के मुख्यमंत्री और भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा भी मौजूद थे।

इसी दौरान कांग्रेस सहित बीस विपक्षी दल नए चार मंजिला संसद भवन के उद्घाटन का बहिष्कार किया।

कांग्रेस ने फूंका पीएम मोदी का पुतला, मंत्री खाचरियावास ने केंद्र के 9 साल को कुशासन और जन विरोध बातया

जयपुर, 28 मई (एजेन्सी)। जयपुर के 250 वार्ड में केंद्र की मोदी सरकार और भापजा के खिलाफ कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी का पुतला फूंका गया। मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास ने सुभाष नगर कॉलोनी पहुंचकर प्रदर्शन भाग लिया और विरोध करते हुए पीएम का पुतला जलाया।

शास्त्री नगर स्थित दूध मंडी चौराहे पर प्रदर्शन कर मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि हमारे आह्वान पर जयपुर शहर के 250 वार्डों में केंद्र की मोदी सरकार के 9 वर्षों के कुशासन और जन विरोधी नीतियों के विरोध में पुतला दहन और धरना प्रदर्शन किया गया। ये प्रदर्शन महंगाई, बेरोजगारी, भुखमरी और नोटबंदी के खिलाफ था। जिसे जनता का भी समर्थन मिला।

मंत्री खाचरियावास ने कहा कि जब केंद्र की मोदी सरकार आई थी तो लोगों को नोटबंदी कर लाइनों में खड़ा कर दिया। तब कहा गया कि काला धन खत्म करना है। भ्रष्टाचार खत्म करना है और महंगाई खत्म करनी है। अब फिर से 2000 रुपए के नोट बंद कर दिए। अब फिर कहा जा रहा है महंगाई और भ्रष्टाचार खत्म करना है। मोदी सरकार के चलाए हुए 2000 रुपए के नोट से भी भ्रष्टाचार हुआ है। तो पहले 500 और 1000 के नॉट बंद क्यों किए थे और कितना काला धन बाहर आया ? कितने कालेधन वालों को जेल में बंद किया ? उसका भी केंद्र सरकार जवाब दे।

मंत्री खाचरियावास ने कहा बीजेपी के ठेकेदार कह रहे हैं 'हरे' को फाड़ कर फेंक दो। लेकिन भारत के तिरंगे में भी हरा है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में भी हरा ही हरा काम में लिया है। कुछ करवाना है तो उनसे कहो।

सुभाष नगर दूध मंडी चौराहा वार्ड नंबर 35 में बड़ा प्रदर्शन हुआ। जिसमें जिलाध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, पार्षद- मनोज मुदगल, विजेंद्र तिवाड़ी, उमेश शर्मा, अजहरुद्दीन, पीसीसी सचिव- आलोक पारीक, ब्लॉक अध्यक्ष- राजकुमार शर्मा, वार्ड अध्यक्ष- दीपक गुप्ता भीमराज प्रजापति, कौशलेंद्र अत्री,अकरम कुरैशी, सुधीर पारीक, लियाकत खान, अविनाश कौशिक सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। हवा महल में मंत्री डॉ महेश जोशी, आदर्श नगर में विधायक रफीक खान, किशनपोल में विधायक अमीन कागजी, विद्याधर नगर में कांग्रेस नेता सीताराम अग्रवाल, बगरू में विधायक गंगा देवी, मालवीय नगर में कांग्रेस नेत्री अर्चना शर्मा, सांगानेर में कांग्रेस नेता पुष्पेंद्र भारद्वाज अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों के प्रदर्शन में शामिल हुए।

पीएम मोदी ने लोकसभा अध्यक्ष के आसन के पास सेंगोल को किया स्थापित

नई दिल्ली, 28 मई (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के नए संसद भवन में लोक सभा अध्यक्ष के आसन के पास पवित्र सेंगोल को स्थापित कर दिया है।

इससे पहले संतों ने विधि-विधान, पूजा-हवन और मंत्रोच्चार के साथ पवित्र सेंगोल को प्रधानमंत्री मोदी को सौंपा। प्रधानमंत्री ने लोक सभा अध्यक्ष बिरला के साथ नए संसद भवन में बने लोक सभा चैंबर में जाकर लोक सभा अध्यक्ष के आसन के समीप इस पवित्र सेंगोल को स्थापित किया।

यह भारत के आजादी के वर्ष यानी 1947 में तमिलनाडु से लाया गया, वही सेंगोल है जिसे 14 अगस्त 1947 को रात के 10:45 बजे के लगभग अंग्रेजों ने सत्ता हस्तांतरण के प्रतीक के तौर पर देश के तत्कालीन और आजाद भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू को सौंपा था।

इससे पहले रविवार सुबह संसद भवन पहुंचने पर लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रधानमंत्री मोदी की अगवानी की। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी और लोक सभा अध्यक्ष बिरला ने संसद भवन परिसर स्थित गांधी प्रतिमा पर जाकर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित कर प्रणाम किया।

महात्मा गांधी को प्रणाम करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूजा-हवन किया। इस दौरान भी लोक सभा अध्यक्ष बिरला उनके साथ बगल में बैठे रहे।

लोकतंत्र इमारतों से नहीं, जनता की आवाज से चलता है : खड़गे

नई दिल्ली, 28 मई (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज नई संसद को देश को समर्पित कर दिया। इसके उद्घाटन के पहले से ही इस नई इमारत के बारे में खूब चर्चा हुई। अंग्रेजों की बनाई पूरानी संसद को छोड़कर अब सभी सांसद इस भव्य इमारत के अंदर होने वाले सत्र में भाग लेंगे, नए कानून बनाएंगे, बहस करेंगे। लेकिन कांग्रेस सहित कई विपक्षी पार्टियों ने आज नई संसद के उद्घाटन का बहिष्कार किया। उद्घाटन के बाद कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक बार फिर पीएम मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र केवल इमारतों से नहीं, जनता की आवाज़ से चलता है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि प्रधानमंत्री को यह याद रहना चाहिए कि लोकतंत्र केवल इमारतों से नहीं, जनता की आवाज से चलता है। उन्होंने ट्वीट किया, 'नई संसद के उद्घाटन का हक़ राष्ट्रपति जी से छीना, सड़कों पर महिला खिलाड़ियों को तानाशाही बल से पीटा! भाजपा-आरएसएस के सत्ताधीशों के 3 झूठ अब देश के सामने बेपर्दा हैं।' खड़गे ने कहा, 'लोकतंत्र, राष्ट्रवाद, बेटी बचाओ, याद रहे मोदी जी, लोकतंत्र केवल इमारतों से नहीं, जनता की आवाज़ से चलता है।'

प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को नए संसद भवन का उद्घाटन किया और ऐतिहासिक राजदंड 'सेंगोल' को लोकसभा अध्यक्ष के आसन के समीप स्थापित किया।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पहलवानों के बहाने देश की नई संसद के उद्घाटन पर निशाना साधा। मोदी सरकार पर सीधा हमला बोलते हुए राहुल ने कहा कि राज्याभिषेक पूरा हुआ - 'अहंकारी राजा' सड़कों पर कुचल रहा जनता की आवाज। असल में राहुल ने पहलवानों का एक वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में जंतर-मंतर पर धरना दे रहे पहलवानों को जबरन पुलिस उठाकर बस में

कैद कर रही है। 42 सेकेंड के इस वीडियो में पहलवान शरीर हाथ में तिरंगा लिए हुए हैं वहीं पुलिस उन्हें जबरदस्ती धरना स्थल से हटाने की कोशिश कर रही है।

सड़कों पर जनता की आवाज कुचल रहा है 'अहंकारी' राजा : राहुल

नई दिल्ली, 28 मई (एजेन्सी)। जंतर-मंतर पर चल रहे पहलवानों के प्रदर्शन के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने रविवार को सख्त कार्रवाई की है। दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर से नए संसद भवन की ओर मार्च कर रहे पहलवानों को हिरासत में ले लिया। दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर से पहलवानों का तंबू भी हटा दिया है। इसे लेकर कांग्रेस पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर हमला बोला है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा संसद के नए भवन का उद्घाटन किए जाने का परोक्ष रूप से हवाला देते हुए ट्वीट किया, राज्याभिषेक पूरा हुआ - 'अहंकारी राजा' सड़कों पर कुचल रहा जनता की आवाज़!

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने आरोप लगाया कि सरकार महिला खिलाड़ियों की आवाज को निर्ममता से बूटों तले रौंद रही है।

प्रियंका गांधी ने ट्वीट किया, खिलाड़ियों की छाती पर लगे मेडल हमारे देश की शान होते हैं। उन मेडलों से, खिलाड़ियों की मेहनत से देश का मान बढ़ता है। भाजपा सरकार का अहंकार इतना बढ़ गया है कि सरकार हमारी महिला खिलाड़ियों की आवाजों को निर्ममता के साथ बूटों तले रौंद रही है। उन्होंने कहा, ये एकदम गलत है। पूरा देश सरकार के अहंकार और इस अन्याय को देख रहा है।

कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने महिला पहलवानों को हिरासत में लिए जाने की तस्वीर साझा करते हुए कहा, राजदंड तंत्र।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को पहलवानों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की निंदा की। पहलवानों ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है और 23 अप्रैल से जंतर-मंतर पर धरना दे रहे हैं। केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा, देश का मान बढ़ाने वाले हमारे खिलाड़ियों के साथ ऐसा व्यवहार बेहद निंदनीय है।

उल्लेखनीय है कि विनेश फोगाट, साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया को दिल्ली पुलिस ने रविवार को सुरक्षा घेरा तोड़कर महिला महापंचायत के लिए नए संसद भवन की ओर बढ़ने की कोशिश करने के बाद कानून और व्यवस्था के उल्लंघन के लिए हिरासत में ले लिया।

पहलवानों को जबरदस्ती बसों में बैठाकर अज्ञात स्थल पर भेज दिया गया। पुलिस ने इसके बाद पहलवानों के प्रदर्शन स्थल जंतर मंतर से उनके चारपाई, गद्दे, कूलर, पंखे और तिरपाल आदि सामान को हटा दिया।

देश के शीर्ष पहलवानों ने 23 अप्रैल को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर अपना आंदोलन फिर से शुरू किया था। बृजभूषण पर एक नाबालिग सहित कई महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न का आरोप लगा है।

इससे पहले दिन में पुनिया ने स्वाभिमान की लड़ाई पर जोर देते हुए कहा कि रविवार को महापंचायत होगी। पिछले हफ्ते रविवार को खाप महापंचायत ने प्रदर्शनकारी पहलवानों का समर्थन किया। ये पंचायत हरियाणा के महम शहर में पांच घंटे से अधिक समय तक चली। खाप पंचायत ने दावा किया कि 28 मई को दिल्ली पंचायत में देश भर

से महिलाएं भाग लेंगी।

हालांकि, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से आने वाले ज्यादातर खाप और किसान नेताओं को पुलिस ने दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में ही रोक दिया।

डियर साप्ताहिक लॉटरी अलीपुरद्वार निवासी ने ₹ 1 करोड़ जीते

रोशन प्रधान ने **20.03.2023** को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर रु. 1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नंबर **34A 50335** है। उन्होंने कोलकाता स्थित नागालैंड स्टेट लॉटरीज के नोडल अधिकारी के पास प्राइज क्लेम फॉर्म के साथ अपनी पुरस्कार-विजेता टिकट जमा कर दी है। ''डियर लॉटरी ने मेरे द्वारा केवल कुछ रुपए की खरीदी गई टिकट के साथ ही मुझे एक करोड़पति बना दिया है। इस स्वर्णिम अवसर के लिए मैं डियर लॉटरी और नागालैंड स्टेट लॉटरीज को अपने हृदय से धन्यवाद देना चाहता हूं।'' विजेता ने कहा। डियर लॉटरी के ड्रॉ लाइव दिखाए जाते हैं।

अलीपुरद्वार, पश्चिम बंगाल के श्री

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com